राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष–26 | अंक–09 | मार्च, 2026 | कुल पृष्ठ–32 | मूल्य ₹ 15

राज्य पुरस्कार समारोह विशेषांक

राज्य पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे को पुष्प-गुच्छ प्रदान कर स्वागत करते हुए राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य एवं पंचायत राज्यमंत्री श्री ओटाराम देवासी, विधायक करौली श्री दर्शन सिंह गुर्जर एवं विधायक दांतारामगढ़ श्री विरेन्द्र सिंह राज्यपाल द्वारा धन्यवाद बैज से अलंकृत होते हुए

राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह

माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे, पंचायत राज्यमंत्री श्री ओटाराम देवासी, राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य एवं करौली विधायक श्री दर्शन सिंह गुर्जर मंच से सलामी लेते हुए

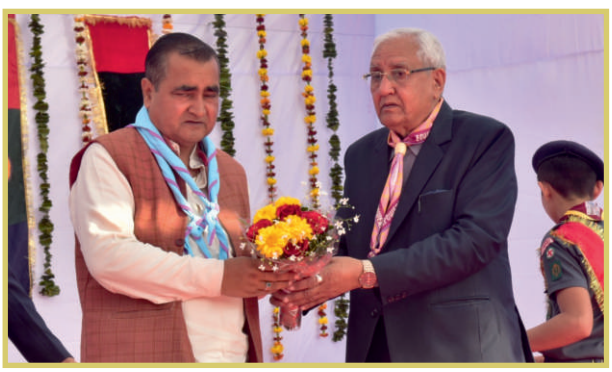

माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य एवं राज्य आयुक्त डॉ. अखिल शुक्ला पंचायती राज राज्यमंत्री श्री ओटाराम देवासी को तथा राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन करौली विधायक श्री दर्शन सिंह गुर्जर को पुष्प-गुच्छ प्रदान कर स्वागत करते हुए

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 26 अंक : 09
मार्च, 2026

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

आशीष मोदी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स–स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
टीकम चंद बोहरा, आई.ए.एस.
आर.पी. सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)
डॉ. एस.आर. जैन
डॉ. अखिल शुक्ला
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित वर्मा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

	विषय	पृष्ठ संख्या
•	दिशाबोध	4
•	संपादकीय	4
•	राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह	5
•	राष्ट्रीय एडवेंचर प्रोग्राम में स्काउट्स का उत्कृष्ट प्रदर्शन	13
•	राष्ट्रीय एकता शिविर में दिखाई राजस्थानी संस्कृति	14
•	गतिविधि दर्पण	15
•	हिमालय वुड बैज	21
•	पर्यटन स्थल : कुम्भलगढ़	22
•	हमारा स्वास्थ्य : सर्दियों में बोन हेल्थ हड्डियों का कैसे रखे ख्याल	24
•	हमारे महापुरुष : रामकृष्ण परमहंस	26
•	पुष्कर की पावन धरा पर हिमालय वुडबैज कोर्स	27
•	प्रकृति शिक्षण के लिए जरूरी नेचर कैंप	28
•	दक्षता पदक	29
•	गतिविधि पञ्चांग	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/– संस्थागत शुल्क:150/–	1200/–

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

स्काउटिंग का महत्व

सबसे पहले तो मैं प्रदेश के राज्यपाल एवं स्काउट गाइड संगठन के संरक्षक श्रीयुत् हरिभाऊ बागडे जी का आभार प्रकट करता हूँ कि आपने 11 फरवरी को आयोजित राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह में अपना अमूल्य समय प्रदान करते हुए संगठन को आशीर्वचन प्रदान किया। आपके श्रीमुख से संगठन के कार्यों की सराहना से निश्चित ही हमारे आत्मविश्वास एवं मनोबल को मजबूती एवं सम्बल मिला है। संगठन के स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर एवं वयस्क लीडर्स को आपके कर–कमलों से पुरस्कृत होने का सौभाग्य मिला, एतदर्थ पुनः हार्दिक आभार। साथ ही सभी पुरस्कृत होने वालों को हार्दिक बधाई। राज्यपाल महोदय ने कहा कि स्काउट व गाइड संगठन युवाओं की सेवा संकल्प से जुड़ी संस्कृति है। अतः यह गतिविधि प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थाओं में अनिवार्य रूप से चलाने की व्यवस्था होनी चाहिए।

वास्तव में आज शिक्षा का उद्देश्य ज्ञानार्जन, कौशल व संस्कारों जैसे गुणों से विभूषित करने हेतु शिक्षण संस्थाओं में स्काउटिंग के अलावा कोई कार्यक्रम नहीं है। मात्र कक्षा की दीवारों से घिरे बालकों से लेकर कॉलेज तक पुस्तकीय ज्ञान के आधार पर व्यवहारिक ज्ञानार्जन, उपयोगी कौशल, आनन्द व सुचरित्र की अनुभूति करवाने वाले संस्कारों के निमित्त स्काउटिंग का प्रभावी कार्यक्रम आज की वैश्वीकरण व उदारीकरण की विचारधारा से उचित तालमेल बैठाने हेतु सामाजिक व सामयिक आवश्यकता है.....और इसकी पूर्ति कर सकने में केवल स्काउटिंग समर्थ है। क्योंकि इसके अभ्यास व मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण बालकों से युवाओं तक सभी की भावनात्मक व सृजनात्मक आवश्यकता की पूर्ति के लिए समुचित है।

स्काउटिंग समाजसेवी संगठन है। हमारे स्काउट गाइड सम्पूर्ण समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस संगठन को समाज के लघु रूप में भी देखा जाता है। अतः समुदाय व स्काउटिंग को अलग अलग नहीं किया जा सकता है। स्काउटिंग सेवा किसकी करती है? समुदाय की। अतः समुदाय व स्काउटिंग एक दूसरे के पूरक हैं। स्काउटिंग स्वयंसेवी संगठन है। अतः यह विशुद्ध रूप से अपनी पैठ व संबंध समाज के साथ रखता है।

हमारे संरक्षक राज्यपाल महोदय के विचारों को मूर्त रूप देने हेतु स्काउटिंग गाइडिंग से जुड़े सभी लोगों को अथक प्रयास करने होंगे, ताकि स्काउटिंग के लिए सार्थक व जन हितैषी वातावरण का निर्माण हो सके।

शुभकामनाओं सहित....

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

फरवरी माह की 11 तारीख को राज्य स्तरीय पुरस्कार के भव्य समारोह में माननीय राज्यपाल महोदय के हाथों से उन सभी कर्मवीरों का 'धन्यवाद बैज' से नवाज़ा जाना हमारे संगठन के लिए गर्व की बात है, जिन्होंने स्काउटिंग गाइडिंग के विकास व विस्तार में उल्लेखनीय योगदान दिया। सम्मानित होने वालों से उसके पीछे खड़ा पूरा संगठन स्वयं को सम्मानित महसूस करता है। सम्मानित सभी महानुभावों की संकल्प शक्ति थी, जिससे राजस्थान का स्काउट गाइड संगठन सभी स्तरों पर सफलता के शिखर को छू सका। मैं सभी को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

फरवरी माह में ही हमारे प्रदेश के स्काउट गाइड को विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता का सुनहरा अवसर मिला। सभी जिलों में बेसिक कोर्स, अनुसूचित जाति व जनजाति, पिछड़ी जाति, सामुदायिक विकास सेमिनार इत्यादि आयोजित किए गए, जिसमें वर्ग विशेष के स्काउट गाइड को अपनी योग्यता वृद्धि के और संगठन से जुड़ने के अवसर मिले है। स्काउट–गाइड व इको क्लब सदस्यों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करवाया गया, जिसमें ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, पोस्टर, निबंध, चित्रकला आदि प्रतियोगिताएं सम्पन्न हुई। शिविर के दौरान शिविरार्थियों को पर्वत, वन व तालाब क्षेत्र का भ्रमण करवाया गया, जहां पर पशु पक्षियों के साथ साथ वन क्षेत्र की जैव विविधता का बारीकी से अवलोकन करने का अवसर मिला और पर्यावरण संरक्षण व जैव विविधिता की उपयोगिता व आवश्यकता को सभी ने समझा व सीखा।

आगामी गतिविधियों में सहभागिता हेतु संगठन से जुड़े सभी को हार्दिक शुभकामनाएं....

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह

स्काउट गाइड मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में जगतपुरा स्थित स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र पर 11 फरवरी को राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह माननीय राज्यपाल श्रीयुत् हरिभाऊ बागडे के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। पंचायती राज राज्यमंत्री श्री ओटाराम देवासी ने अध्यक्षता की तथा करौली विधायक श्री दर्शन सिंह गुर्जर विशिष्ट अतिथि रहे।

प्रति वर्ष राज्य स्तरीय स्काउट गाइड रैली का आयोजन किया जाता है, जिसमें वर्ष दौरान राज्य पुरस्कार उत्तीर्ण स्काउट–गाइड को महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाता है। समारोह में स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य, स्टेट कमिश्नर आर.पी. सिंह, स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर) डॉ. अखिल शुक्ला, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन एवं अन्य पदाधिकारी, अधिकारी व नागरिक मौजूद रहे।

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि युवा स्वयं के विकास के साथ राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करें। उन्होंने स्काउट गाइड संगठन के युवाओं को दृढ़ संकल्प शक्ति और मन बनाकर समाज के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं को अधिकारों की बजाय राष्ट्र और समाज तथा शिक्षा के प्रति कर्तव्य की भावना को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

श्री बागडे ने कहा कि स्काउट व गाइड संगठन युवाओं की सेवा संकल्प से जुड़ी संस्कृति से जुड़ा संगठन है। उन्होंने राजस्थान को योद्धाओं की भूमि बताते हुए कहा कि यहां का व्यक्ति शौर्य, वीरता और साहस से जुड़ा है। यहां निरंतर लड़ाइयाँ हुई पर मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व अर्पण की भावना रही है।

उन्होंने सेना में यहां के सर्वाधिक युवाओं के होने की चर्चा करते हुए स्काउट गाइड से जुड़े युवाओं को अपनी परंपरा और संस्कृति से जुड़े रहने का आह्वान किया।

श्री देवासी को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए श्री निरंजन आर्य

राज्यपाल महोदय को उनका चित्र भेंट करता हुआ स्काउट

उन्होंने आपात काल में स्काउट गाइड की रही भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। परंपरा और गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई।

राज्यमंत्री श्री ओटाराम देवासी ने कहा कि वह स्वयं स्काउट संगठन में रहे हैं। यह अनुशासन से जुड़ा युवाओं को प्रेरणा देने वाला संगठन है।

स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री बागडे, राज्य मंत्री श्री देवासी, विधायक श्री दर्शन सिंह, श्री विरेंद्र सिंह एवं अन्य अतिथियों का शाब्दिक स्वागत करते हुए राजस्थान में संगठन की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। श्री आर्य ने बताया कि अब तक जितनी भी राष्ट्रीय जंबूरियां हुई है उन सभी में राजस्थान ने सर्वोच्च पदक प्राप्त करते हुए शिखर पर अपना स्थान बनाए रखा है। राष्ट्र में लगभग 80 लाख स्काउट गाइड है जिनमें से 18 लाख स्काउट गाइड के साथ राजस्थान सर्वोच्च स्थान रखता है। प्रदेश संगठन अनवरत नियमित रूप से अव्वल बना हुआ है। श्री आर्य ने राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे सहयोग पर भी संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह संगठन अपनी गतिविधियों में और अधिक वृद्धि करेगा।

समारोह में विधायक श्री दर्शन सिंह और श्री वीरेंद्र सिंह, डॉ. अखिल शुक्ला ने भी विचार रखें।

इससे पहले राज्यपाल श्री बागडे जी ने उदयपुर जिला कलक्टर श्री नमित मेहता को सिल्वर ऐलिफेंट अवार्ड तथा स्काउट आन्दोलन में वर्ष दौरान प्रशंसनीय, उल्लेखनीय एवं अद्वितीय सहयोग करने के लिए श्री ओटाराम देवासी, पंचायत राज्यमंत्री, श्री दर्शन सिंह गुर्जर, विधायक करौली, श्री विरेन्द्र सिंह, विधायक, दांतारामगढ़, श्री अशोक डोगरा, पूर्व विधायक, बून्दी, श्री अभिषेक सुराणा, जिला कलक्टर, चूरू, श्रीमती प्रयासी देवी, सरपंच–डेहरा जोहड़ी, नीमकाथाना, श्रीमती नूतन बाला कपिला, सहा.स्टेट कमिश्नर (गाइड) पाली, श्री प्रकाश चन्द, ए.एल.टी. (स्काउट), पाली, श्री कृपाराम देवड़ा, अध्यक्ष स्काउट गाइड जिला संगठन, नागौर, श्री छितरमल लोरा, उपाध्यक्ष स्थानीय संघ बनाथला, सीकर, श्री चुन्नीलाल चौहान, सचिव, स्थानीय संघ कंटालिया, पाली को धन्यवाद बैज; श्री प्रमोद कुमार शर्मा, पूर्व सहा.राज्य संगठन आयुक्त, भरतपुर, श्री प्रदीप चित्तौड़ा, सी.ओ. (स्काउट) बारां को बार टू मेडल ऑफ मेरिट तथा डॉ. सुषमा सिंघवी, सहा.स्टेट कमिश्नर (गाइड), जयपुर, श्री बन्ना लाल, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट), जयपुर सुश्री दया मेघानी, पूर्व राज्य संगठन आयुक्त (गाइड), अजमेर, श्री नीरज जैन, सहा.संपादक, जयपुर, श्रीमती निशु कंवर, सी.ओ. (गाइड), जोधपुर, श्रीमती ऋतु कुमारी शर्मा, सी.ओ. (गाइड), जयपुर, श्री गिरिराज पारिक, जिला सचिव, जयपुर, श्री प्रभुदयाल कुमावत, एल.टी. (स्काउट) सीकर, श्री रामवतार सबलानिया, एल. टी. (कब) झुन्झुनू, श्री रमेश कुमार मोदी, हिमालय वुड बैज (कब) बीकानेर को मेडल ऑफ मेरिट से सम्मानित किया। सभी संभागों के जिलों से आये स्काउट–गाइड, रोवर रेंजर को राज्य पुरस्कार के प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

समारोह के दौरान मुख्य अतिथि बागडे जी को निरंजन आर्य ने स्कार्फ पहना कर व स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनन्दन किया।

स्काउट गाइड ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां के साथ साहसिक कैंप आदि से जुड़ी गतिविधियों का प्रदर्शन किया। गाइड़स ने लोक नृत्य की भावभीनी प्रस्तुति दी।

अन्त में प्रदेश संगठन के स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर) डॉ. अखिल शुक्ला द्वारा मुख्य अतिथि एवं उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिक व स्काउट गाइड के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

इस वर्ष प्रदेश में 6515 स्काउट व 3782 गाइड्स ने तथा 739 रोवर व 887 रेंजर्स ने राज्य पुरस्कार के प्रमाण पत्र की योग्यता पूर्ण की। इस प्रकार कुल 11923 प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं।

राष्ट्रगान के साथ समारोह सम्पन्न हुआ।

सिल्वर ऐलिफेंट

श्री नमित मेहता, जिला कलक्टर, उदयपुर

धन्यवाद बैज

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन को प्रशंसनीय, उल्लेखनीय एवं अद्वितीय सहयोग करने वाले राजस्थान सरकार के मंत्री, विधायक, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, एवं अन्य प्रबुद्ध व्यक्ति माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे के कर-कमलों से धन्यवाद बैज प्राप्त करते हुए

श्री अशोक डोगरा, पूर्व विधायक, बून्दी

श्री अभिषेक सुराणा, जिला कलक्टर, चूरू

श्रीमती प्रयासी देवी, सरपंच-डेहरा जोहड़ी, नीमकाथाना

श्रीमती नूतन बाला कपिला, सहा.स्टेट कमिश्नर (गाइड) पाली

धन्यवाद बैज

श्री प्रकाश चन्द, ए.एल.टी. (स्काउट), पाली

श्री कृपाराम देवड़ा, अध्यक्ष स्काउट गाइड जिला संगठन, नागौर

श्री छितरमल लोरा, उपाध्यक्ष स्थानीय संघ बनाथला, सीकर

श्री चुन्नीलाल चौहान, सचिव, स्थानीय संघ कंटालिया, पाली

बार टू मेडल ऑफ मेरिट

श्री प्रमोद कुमार शर्मा, पूर्व सहा.राज्य संगठन आयुक्त, भरतपुर

श्री प्रदीप चित्तौड़ा, सी.ओ. (स्काउट) बारां

मेडल ऑफ मेरिट

डॉ. सुषमा सिंघवी, सहा.स्टेट कमिश्नर (गाइड), जयपुर

श्री बन्ना लाल, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट), जयपुर

सुश्री दया मेघानी, पूर्व राज्य संगठन आयुक्त (गाइड), अजमेर

श्री नीरज जैन, सहा.संपादक, जयपुर,

श्रीमती निशु कंवर, सी.ओ. (गाइड), जोधपुर

श्रीमती ऋतु कुमारी शर्मा, सी.ओ. (गाइड), जयपुर

मेडल ऑफ मेरिट

श्री गिरिराज पारिक, जिला सचिव, जयपुर

श्री प्रभुदयाल कुमावत, एल.टी. (स्काउट) सीकर

श्री रामवतार सबलानिया, एल.टी. (कब) झुन्झुनू

श्री रमेश कुमार मोदी, हिमालय वुड बैज (कब) बीकानेर

राज्य पुरस्कार अवार्ड

राज्य पुरस्कार अवार्ड

करौली

स.माधोपुर

बीकानेर

चूरू

हनुमानगढ़

झुन्झुनू

श्रीगंगानगर

अलवर

दौसा

जयपुर

सीकर

बाड़मेर

जैसलमेर

जालोर

जोधपुर

राज्य पुरस्कार अवार्ड

पाली

सिरोही

बारां

बून्दी

झालावाड़

कोटा

बांसवाड़ा

चित्तौड़गढ़

डूंगरपुर

प्रतापगढ़

राजसमंद

उदयपुर

सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले स्काउट्स व गाइड्स के ग्रुप फोटो

राष्ट्रीय एडवेंचर प्रोग्राम में स्काउट्स का उत्कृष्ट प्रदर्शन

स्काउट्स ने दिखाई प्रतिभा, भारत स्काउट एवं गाइड द्वारा किया गया सम्मानित

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा 8 से 12 फरवरी तक मनाली में राष्ट्रीय स्तर का नेशनल यूथ प्रोग्राम एवं एडवेंचर कैंप आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों जैसे कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और राजस्थान सहित कई राज्यों के स्काउट एवं गाइड्स ने भाग लिया। कार्यक्रम में कोटपूतली (राजस्थान) स्थित गैलेक्सी इंटरनेशनल स्कूल के 18 स्काउट्स व मानवस्थली विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल कोटपूतली के तीन स्काउट ने स्काउट मास्टर सीताराम गुप्ता के नेतृत्व में सहभागिता करते हुए विभिन्न साहसिक गतिविधियों में उत्साह, अनुशासन और टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा मनाली की प्राकृतिक वादियों में रोमांचक अनुभव प्राप्त किया।

कार्यक्रम में उत्कृष्ट सहभागिता के लिए सभी प्रतिभागी स्काउट्स को भारत स्काउट व गाइड की ओर से जैकेट, पी कैप, प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम से लौटने पर विद्यालय में स्काउट्स का स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक अमर सिंह यादव, प्रधानाचार्य अनिल रावत, मानवस्थली विद्या मंदिर के डायरेक्टर दुर्गा प्रसाद मिश्रा, प्रधानाचार्य कमलेश कुमार अग्रवाल तथा समस्त स्टाफ ने स्काउट्स और उनके नेतृत्व को बधाई देते हुए भविष्य में भी विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भाग लेकर विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

स्थानीय संघ कोटपूतली की ओर से भी सभी स्काउट बालकों को बधाई प्रेषित की गई। सचिव रामवीर यादव, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर स्काउट पूरण कसाना, सहायक जिला कमिश्नर प्रशिक्षण (प्रभारी) हंसराज यादव, कमलेश कुमार, अतुल कुमार आर्य, संदीप कुमार जांगिड़, मनोज कुमार शर्मा, रोहिताश्व सैनी, राजवीर यादव तथा अन्य पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने स्काउट्स की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

CELEBRATIONS DAYS : MARCH & APRIL, 2026

08 March	:	International Women Day
21 March	:	World Forest Day
22 March	:	World Water Day
23 March	:	Shahid Diwas
30 March	:	Rajasthan Day
07 April	:	World Health Day
22 April	:	World Earth Day
23 April	:	World Book Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

राष्ट्रीय एकता शिविर में दिखाई राजस्थानी संस्कृति

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर मंगलौर कर्नाटक में लालसोट स्थानीय संघ के स्काउट गाइड ने राजस्थानी संस्कृति, पोशाक, भाषा, राजस्थानी व्यंजनों, राजस्थानी लोकगीत, लोकनृत्य का प्रदर्शन किया। शिविर में विभिन्न राज्यों से आए स्काउट गाइड ने अपने अपने राज्यों की सभ्यता और संस्कृति का प्रदर्शन किया ।

लालसोट के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय खोहरापाड़ा से चिराग जांगिड़, अल्तमस खान, अपेल एकेडमी से वर्णिका जांगिड़, राजेश पायलेट राजकीय पीजी कॉलेज लालसोट से हर्ष शर्मा, ज्योतिबा फुले ओपन रोवर क्रू से गणेश जांगिड़, श्याम यूनिवर्सिटी से बलराम मीणा ने भाग लिया। राजस्थान दल ने प्रदर्शनी में प्रथम स्थान भी प्राप्त किया ।

स्काउट सचिव श्रीकांत शर्मा ने राष्ट्रीय ट्रेनर के रूप में भाग लिया, वहीं बलराम मीणा राजस्थान दल प्रभारी रहे। उन्होंने बताया की राष्ट्रीय एकता शिविर सम्पूर्ण भारत की संस्कृति को आदान प्रदान करने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। इसके जरिए हम भारत की विविधता को समझ सकते हैं। दूसरे राज्य के लोगों के साथ रहते हैं, उनके खानपान, पहनावे, बोली भाषा को समझते हैं और सम्मान करते हैं।

इस दौरान स्काउट गाइड को गोवा, मंगलौर के विभिन्न बीच और दर्शनीय स्थलों का भी भ्रमण करवाया गया।

शिविर में योगा, टीम भावना के खेल, मोटिवेशनल सेमिनार, यक्षगण, भरतनाट्यम, कन्नड़ रामायण का मंचन, कर्नाटक के विभिन्न जिलों के भोजन एवं भाषा को मुडबिदरी में आयोजित किया गया।

इस दौरान कर्नाटक के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री पीजीआर सिंधिया और शिविर संचालक और भारत स्काउट गाइड के राष्ट्रीय सहायक निदेशक बबलू गोस्वामी ने राजस्थान दल की सराहना भी की।

राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, स्टेट कॉर्डिनेटर एल. आर. शर्मा, मुख्य जिला कमिश्नर इंदिरा गुप्ता, लालसोट सीबीईओ सत्यनारायण मीना, प्रभारी कमिश्नर गाइड सोनिया व्यास, प्रिंसिपल चेतना बंशीवाल, उपप्रधान राकेश शर्मा, उपप्रधान धर्मेंद्र चोपड़ा, कॉलेज प्राचार्य डॉ सुभाष पहाड़िया, रोवर लीडर रामभरोसी बैरवा, सी.ओ. स्काउट प्रदीप सिंह, सी. ओ. गाइड निरमा मीणा ने खुशी व्यक्त की

शोकाभिव्यक्ति

यह जानकर हार्दिक वेदना हुई कि बीकानेर मण्डल से सेवानिवृत सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री घनश्याम व्यास का आकस्मिक निधन हो गया है।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड परिवार हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करता है कि श्री व्यास की दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान तथा परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

गतिविधि दर्पण

मण्डल, जिला, स्थानीय संघ एवं यूनिट स्तर पर की गई गतिविधियों, शिविरों, रैलियों इत्यादि का संक्षिप्त विवरण

बीकानेर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, बुहाना (झुन्झुनू) के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लाम्बी शहड शहर में स्थित बाल वाटिका उद्घाटन समारोह अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का स्काउट गाइड संगठन के पदाधिकारियों, स्काउट गाइड्स ने संगठन की परंपरा के अनुसार स्कार्फ, माला

पहनाकर तथा गार्ड ऑफ ऑनर पेश कर स्वागत अभिनंदन किया। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि हॉकी वाली सरपंच के नाम से प्रसिद्ध नीरू यादव के अथक प्रयासों से बनाई गई बाल वाटिका के उद्घाटन अवसर पर शिक्षा मंत्री को मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्य आयुक्त (स्काउट) अशोक शर्मा के नेतृत्व में संगठन की गतिविधियों से अवगत करवाया गया। इस अवसर पर प्रभारी कमिश्नर एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी वेद प्रकाश, स्थानीय संघ सचिव प्रवीण कुमार, संयुक्त सचिव राजबाला यादव, कोषाध्यक्ष नरेश सिंह तंवर, ट्रेनिंग काउंसलर सुदेश कुमार, मुन्नी देवी, सुरेंद्र कुमार, अनिता कुमारी, जयपाल सिंह, देवेंद्र सिंह, नरेश कुमार, सतपाल सिंह सहित सैकड़ो स्काउट गाइड्स उपस्थित रहे।

जयपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, मंडल मुख्यालय, बनीपार्क, जयपुर पर 28 जनवरी से 3 फरवरी 2026 तक फ्लॉक लीडर व गाइड कैप्टिन बेसिक कोर्स का आयोजन किया गया। कोर्स में 10 फ्लॉक लीडर तथा 11 गाइड कैप्टन, कुल 21 प्रशिक्षणार्थियों ने सहभागिता की। उक्त शिविर में दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा बेसिक के सभी विषयों जैसे प्रवेश से लेकर राज्य पुरस्कार तक के सभी विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रवेश पाठ्यक्रम के अलावा पायनियरिंग, प्राथमिक चिकित्सा, दिशा ज्ञान, अनुमान लगाना, झंडो की जानकारी तथा अन्य विषयों पर थ्योरीकल प्रशिक्षण व प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान

गाइडर को पैदल हाईक भी करवाई गई। विशेषज्ञ श्री आलोक खन्ना को बुलाकर Art of wellness with universe के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान करवाई गई। सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती नीता शर्मा ने शिविर का समय–समय पर अवलोकन किया एवं प्रशिक्षणार्थियों को मार्गदर्शन दिया।फ्लॉक लीडर बेसिक कोर्स का संचालन श्रीमती किरण देवी एएलटी बुलबुल तथा गाइड कैप्टन का संचालन श्रीमती उमा वर्मा द्वारा किया गया। सी.ओ. गाइड श्रीमती इन्दु तंवर ने शिविर की व्यवस्थाओं में पूर्ण सहयोग किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, दौसा के तत्वावधान में अनुसूचित जाति व जनजाति के विद्यार्थियों हेतु पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कैम्प आयोजित किया गया। सी.ओ. गाइड निरमा मीणा ने बताया यह प्रशिक्षण शिविर राज्य मुख्यालय के निर्देशानुसार अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों के लिए पूर्णत निःशुल्क आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण में कुल 132 जिसमें 71 स्काउट्स व 61 गाइड्स ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कैम्प के दूसरे दिवस के अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिवचरण मीणा ने कैम्प का निरीक्षण किया और स्काउट गौरव मीणा ने अतिथियों को गॉर्ड आफ ऑनर दिया। इसके बाद सभी स्काउट गाइड को ड्रेस वितरित की गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुशील कुमार शर्मा, मुख्य

प्रशिक्षण आयुक्त रामवतार शर्मा, सचिव स्थानीय संघ दौसा रामकेश मीणा, शिविर संचालक हीरालाल रावत, सह संचालक पूरन सिंह डागुर, बलराम मीणा, आरती माली, निशा कुमारी, हीरालाल, भूपेंद्र उपस्थित रहे।

जोधपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जोधपुर के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय कब बुलबुल उत्सव 14 फरवरी 2026 को श्री विट्ठलेश स्काउट वन चौपासनी में रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मनोहर सिंह टालनपुर एवं समारोह की अध्यक्षता कार्यवाहक सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट छतर सिंह पिड़ीयार, विशिष्ट अतिथि श्रीमती निशु कंवर सर्कल ऑर्गेनाइजर गाइड जोधपुर की उपस्थिति में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि मनोहर सिंह द्वारा बालक बालिकाओं को संबोधित करते हुए उन्हें स्वदेशी अपनाने हेतु प्रेरित किया एवं विभिन्न प्रकार के स्वदेशी

आयोजनों से संबंधित विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई। भारत देश में निर्मित सामग्री का ही उपयोग करने के लिए एवं भारतीय संस्कृति अपने घर में अपनाने के लिए प्रेरित किया कब और बुलबुल ने सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रकार के आयाम जिसमें विशाल गर्जना, बुलबुल बड़ी सलामी, टोटम पोल, बुलबुल ट्री, स्वास्थ्य से संबंधित दिनचर्या की आदतें, जंगल के खेल, डांस घेरे व छक्के के गीत एवं विभिन्न प्रकार की गतिविधियों से रूबरू होते हुए एडवेंचर गतिविधियों में बढ़–चढ़कर भाग लिया। सहभागी विद्यालयों में दिल्ली पब्लिक स्कूल, श्री सरस्वती बाल वीणा भारती उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरसागर, ब्रिगेडियर जबर सिंह उच्च माध्यमिक पब्लिक विद्यालय बीजेएस, टाडलर्स टाउन सेकेंडरी स्कूल बालसमंद, श्री रूपाराम सेवदा सीनियर सेकेंडरी स्कूल केरू, सेवदा पब्लिक विद्यालय केरू, आरएसएम इंटरनेशनल स्कूल जोधपुर एवं हनवन्त सैनिक स्कूल चौपासनी आदि के सहभागियों ने सहभागिता की उत्सव में 250 कब्स और बुलबुल ने सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रकार के स्काउट गाइड के प्रशिक्षण संबंधी जानकारी प्राप्त की एवं कब चतुर्थ चरण एवं बुलबुल हीरक पंख जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर कब बुलबुल द्वारा तैयार किए गए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुतियां दी गई।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जोधपुर के तत्वावधान में 03 से 07 फरवरी 2026 तक पांच दिवसीय अनुसूचित जाति स्काउट गाइड व अनाथालय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का आयोजन श्री विट्ठलेश स्काउट वन, चौपासनी जोधपुर प्रशिक्षण केंद्र पर आयोजित हुआ। कार्यवाहक सहायक राज्य संगठन आयुक्त छतर सिंह पिडीयार ने बताया कि इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में 100 स्काउट एवं 30 गाइड ने सहभागिता की एवं शिविर का संचालन राजेंद्र जी लिंबा ने किया। प्रशिक्षण

शिविर में स्काउट व गाइड को प्रवेश से लेकर तृतीय सोपान तक पाठ्यक्रम की संपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाई गई, जिसमें नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झंडा गीत, राष्ट्रगान, प्राथमिक सहायता, पायनियरिंग, गांठे, लेसिंग, दक्षता बैज, हाईक एवं स्काउट गाइड से संबंधित संपूर्ण पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया। स्काउट यूनिट लीडर धनसुख पालीवाल, सुनील कुमार, अशोक प्रजापत, विशन सिंह प्रजापति, राजकुमार जोशी, गाइड यूनिट लीडर प्रकाश शर्मा, प्राची, प्रतिभा, रामविलास सैनी एवं हितेश वैष्णव ने शिविर में अपनी सेवाएं दी।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला जोधपुर के तत्वावधान में अनुसूचित जाति, जनजाति व विशेष आवश्यकता वाले सामाजिक वर्गों के सरकारी व निजी शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों हेतु आयोजित विशेष शिविर के अंतिम दिन मेगा कैंप फायर में विद्यार्थियों से बातचीत में शिक्षाविद, मोटिवेशनल स्पीकर व जिला सचिव डॉ बी.एल. जाखड़ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जीवन की चुनौतियों को हंसते–हंसते स्वीकार करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि भौतिकवाद की आपाधापी में प्रतिस्पर्धा नहीं करके उपलब्ध संसाधनों से जीवन जीने की कला ही स्काउट गाइड प्रशिक्षण

का असली उद्देश्य है। कार्यवाहक सहायक राज्य संगठन आयुक्त छतर सिंह पीडीयार ने दिन भर के प्रशिक्षण सत्रों की समाप्ति के पश्चात शिविर ज्वाल को जीवन में मनोविनोद और सांस्कृतिक मूल्य के अनुरक्षण का श्रेष्ठ स्थल बताया। वहीं शिविर संचालक राजेंद्र कुमार लिंबा ने पांच दिवसीय इस शिविर में विभिन्न गतिविधियों की विस्तार से जानकारी सहित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। लिंबा ने बताया कि ज्ञानेंद्रियों के खेल में अरविंद और विनीता ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया वहीं कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में गुलाब टोली अव्वल रही। लीला चौधरी, प्रतिभा, ममता शर्मा, प्राची व प्रकाश शर्मा ने जिले की विभिन्न संस्थाओं से आई हुई 40 गाइड को शिविर में विभिन्न विधाओं से प्रशिक्षित किया। वहीं 90 स्काउट के लिए राजेंद्र लिंबा के नेतृत्व में राजकुमार जोशी, विशन सिंह प्रजापति, अशोक कुमार, रामविलास सैनी, हितेश वैष्णव, रवि, धनसुख पालीवाल, सुनील कुमार ने आयोजित होने वाले सत्र संचालन में साहसिक गतिविधियों के साथ–साथ कैंप क्राफ्ट, बिना बर्तन के भोजन बनाना, जंगल सफारी, पायनियरिंग के साथ–साथ सूचना प्रौद्योगिकी तथा कृत्रिम बौद्धिकता के सत्र संचालित किये।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा 22 फरवरी को जिला स्तरीय कम्युनिटी डेवलपमेंट सेमिनार गणपतसिंह देवडा पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी के मुख्यातिथ्य एवं मनसा राम मंडिया सचिव स्थानीय संघ सिरोही की अध्यक्षता एवं बाबूलाल सैनी सचिव स्थानीय संघ रेवदर के विशिष्ट अतिथि में आयोजित की गई। प्रारंभ में सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा ने कम्युनिटी डेवलपमेंट सेमिनार के बारे में उपस्थित स्काउट गाइड रोवर रेंजर एवं स्काउटर गाइडर को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री शील्ड उपराष्ट्रपति अवार्ड हेतु आवेदन करना और इस के द्वारा किये जाने वाले कार्यों की लॉग बुक बनाना एवं स्काउट गाइड रोवर रेंजर स्काउटर गाइडर की योग्यता वृद्धि पर विस्तार से उपस्थित संभागियों को जानकारी दी। मुख्य अतिथि गणपतसिंह देवडा ने कहा कि सिरोही जिले के स्काउट गाइड राज्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी सहभागिता कर रहे हैं। अध्यक्षता करते हुए मनसा राम मंडिया ने कहा कि स्काउट

गाइड समुदाय में रह कर पर्यावरण जल ऊर्जा सरंक्षण में आम लोगों को इसकी उपादेयता की जानकारी दी। इस अवसर पर स्काउट गाइड के जन्मदाता लॉर्ड बैडेन पावेल की जयंती भी मनाई गई। दिगंबर सिंह चौधरी, श्रीकांत चुलेट, मैथ्यू टी वर्गीम, रोहित कुमार, जितेन्द्र कुमार, दर्शन सिंह गुर्जर, सूरज कलावंत, कीर्ति, पर्वत गोस्वामी, विक्रम कुमार, दृष्टि पाण्डे, आरती कुमारी माली, निधि रावल, लीला कुमारी, शकू कुमारी, बैना कुमारी, ममता कुमारी, बिसना कुमारी, मनीषा कुमारी, एकता कुमारी, रीना कुमारी, सुमित्रा कुमारी आदि स्काउट गाइड रोवर रेंजर एवं स्काउटर गाइडर उपस्थित थे।

❖ विश्व स्काउट दिवस पर केरू शिक्षण संस्थान में स्काउट के जनक, लार्ड बेडेन पावेल एवं लेडी बेडन पवन के जन्मदिवस को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जिला सचिव डॉ. बीएल जाखड़, कार्यवाहक सहायक राज्य संगठन आयुक्त छतर सिंह पिडीयार ने झंडारोहण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। डॉ बी एल जाखड़ ने समाज सेवा से अधिक से अधिक जुड़कर राष्ट्र निर्माण में सहयोग करने की बात कही। श्री पिडीयार ने स्काउट के इतिहास की जानकारी दी। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक हनुमान राम चौधरी व प्रिंसिपल पूनम चौधरी ने स्काउट के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी कब बुलबुल स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर को पारितोषिक देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर स्काउट गाइड ने प्रार्थना प्रतिज्ञा स्काउट नियम व भव्य प्रदर्शनी से कार्यक्रम में समा बांध दिया। कार्यक्रम की इसी कड़ी में श्रमदान का भी आयोजन किया गया। स्काउट गाइड ने विद्यालय परिसर व विभिन्न

सार्वजनिक स्थलों पर श्रमदान का कार्य किया। इस अवसर पर केरू महिला शिक्षण संस्थान के प्राचार्य के.पी माथुर, श्री रूपाराम बाल विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य बालू राम, सेवदा पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल सुनीता मेसी, रुपाराम प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाचार्या शबनम मलवान ने भी बच्चों को संबोधित किया। कार्यक्रम में लोकेश पिड़वा, ज्योति सुथार, राजकुमार जोशी, पवन पटेल, भावना चौधरी, संतोष राजपुरोहित, सीतासोनी, प्रताप सिंह, शिवराज चौहान, अशोक बाघेल, मेघाराम चौधरी, सुरेंद्र चारण इकबाल खान खेताराम चौधरी, बीपी सिंह, पप्पू राम, ओम प्रकाश चौधरी, पारस सिंह, तेजाराम ,दिव्या, बेबी चौधरी, तरुण प्रजापत, ईश्वर गोदारा, रविंद्र चौधरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन स्काउट यूनिट लीडर राजकुमार जोशी ने किया।

कोटा मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड मुख्यालय, बारां पर स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा विकास समिति एवं विप्र फाउंडेशन जिला बारां के तत्वावधान में आयोजित विशाल निशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें रोवर लीडर कमलेश मीणा के नेतृत्व में स्काउट गाइड ने सेवाएं देकर नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर को सफल बनाया। इस अवसर पर जिले के प्रमुख व्यक्तित्व सुनील कुमार शर्मा व अन्य वक्ताओं ने

भी स्काउट गाइड संगठन की सराहना करते हुए जिले में स्काउट गाइड संगठन को महत्वपूर्ण एवं अति आवश्यक संगठन बताया। इस अवसर पर सी.ओ. गाइड सुनीता मीणा ने रोवर रेंजर द्वारा की गई सेवाओं की सराहना करते हुए सभी को इसी प्रकार हर क्षेत्र में सेवा करने का आवाहन किया। शिविर के समापन के अवसर पर सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा ने ऑनलाइन जुड़कर कमलेश मीणा एवं उनके सभी साथियों का आभार व्यक्त किया। सेवा कार्य में हेमंत विकास आदि का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बारां के तत्वावधान में 22 फरवरी को बेडेन पावेल के जन्मदिवस पर जिला

मुख्यालय पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रातःकालीन सत्र में जिला कमिश्नर एवं जिला शिक्षा अधिकारी सीताराम गोयल एवं जिला उप प्रधान ललित वैष्णव के मुख्य आतिथ्य, बृज गोविंद टेलर अध्यक्ष राधा कृष्ण शिक्षक सहकारी संस्था की अध्यक्षता, पवन कुमार मेहरा स्थानीय संघ सचिव अंता के सान्निध्य में सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा, सी.ओ. गाइड सुनीता मीणा के नेतृत्व में लॉर्ड बेडेन पावेल की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उसके उपरांत प्रदीप चित्तौड़ा एवं सुनीता मीणा ने लार्ड बेडेन पावेल की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा बनाए नियम एवं प्रतिज्ञा को अपने जीवन में उतारने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर बृज गोविंद टेलर व सीताराम गोयल ने भी संबोधित किया। संगोष्ठी के उपरांत सभी स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने केक काटकर जन्मदिवस को साकार किया। उसके उपरांत स्काउट गाइड रोवर रेंजर की एक रैली का आयोजन किया गया जिसे सम्मानित अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, अटरू (बारां) के तत्वावधान में संचालित स्काउट मास्टर गाइड कैप्टन बेसिक शिविर के अंतिम दिवस सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन प्रातःकालीन सत्र में किया गया। उसके उपरांत संभागियों ने कमला नेहरू शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान से हाट बाजार स्थित स्थानीय संघ मुख्यालय तक सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन की रैली निकाली। रैली उपरांत हॉट बाजार में पॉलीथिन उन्मूलन हेतु स्थानीय संघ मुख्यालय की सफाई एवं हाट

बाजार से प्लास्टिक का यूज नहीं करने का संदेश आमजन को दिया। इस अवसर पर शिविर संचालक एवं जिला ट्रेनिंग कमिश्नर राजेंद्र कुमार शर्मा ने प्लास्टिक से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जानकारी देते हुए सभी को सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग नहीं करने का संकल्प दिलाया। सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा ने सभी स्काउट मास्टर का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अध्यापकों को पर्यावरण संरक्षण एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने हेतु प्रेरित किया। सी.ओ. गाइड सुनीता मीणा ने सभी गाइड कैप्टन कोर्स कर रही अध्यापिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण देते हुए कहा कि अपने विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी प्रदान करें। सांध्यकालीन सत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन विषय पर जिला उप प्रधान नरेंद्र सिंह सत्य प्रकाश पारेता के मुख्य आतिथ्य में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें रामप्रसाद सैन, अंकिता शर्मा, हरिओम मेरोठा, सचिन सुमन ने अपने विचार व्यक्त किए।

उदयपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, उदयपुर के तत्वावधान में 21 से 25 फरवरी तक स्काउट मण्डल प्रशिक्षण केंद्र उदयनिवास पर आयोजित मण्डल स्तरीय निःशक्तजन एवं दिव्यांग स्काउट गाइड तथा जिला स्तरीय निपुण रोवर प्रशिक्षण शिविर में 22 फरवरी को स्काउटिंग के जन्मदाता लार्ड बेडेन पावेल के जन्म दिवस को सर्वधर्म प्रार्थना सभा के साथ बी.पी डे और थिंकिंग डे मनाया। मनमोहन स्वर्णकार सहायक

राज्य संगठन आयुक्त स्काउट उदयपुर मण्डल तथा हीरालाल व्यास जिला सचिव की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में अतिथियों ने बेडेन पावेल के चित्र पर माल्यार्पण, दीप जलाया। उदयपुर जिले के सी.ओ. स्काउट सुरेन्द्र कुमार पाण्डे ने जानकारी देते हुए बताया कि अभिलाषा विशेष विधालय के विशिष्ठ योग्यजन स्काउट्स तथा 25 विशेष योग्यजन गाइड्स ने स्काउटर देवेश लक्षकार, अमित यादव, गाइडर चंदा सिसोदिया के नेतृत्व में तथा महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर के रोवर्स व महाराणा मेवाड़ विधा मंदिर स्कूल के स्काउट्स सुनील पालीवाल, दिनेश पालीवाल के नेतृत्व में भाग लिया। सर्वधर्म प्रार्थना सभा में द स्कालर एरिना स्कूल के स्काउटर डॉ भगवती लाल साहू तथा दिव्यांश ब्रिजवानी ने वाद्ययंत्र पर मधुर धुन पेश की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पद से मनमोहन स्वर्णकार ने बेडेन पावेल के जन्म दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी। वहीं अध्यक्षीय पद से हीरालाल व्यास ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन सुरेन्द्र कुमार पाण्डे ने किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला राजसमंद के तत्वावधान में आयोजित स्काउट यूनिट लीडर प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत स्काउट यूनिट लीडर्स द्वारा सूरजकुण्ड धाम की प्रेरणादायी एवं अनुशासित हाईक का आयोजन किया गया। इस हाइक का मुख्य उद्देश्य स्काउटिंग के मूल सिद्धांत "स्काउटिंग का अर्थ है आउटिंग" को व्यवहार में उतारते हुए प्रशिक्षणार्थियों में साहस, नेतृत्व, अनुशासन एवं प्रकृति प्रेम की भावना को विकसित करना रहा। हाइक शिविर का कुशल संचालन हाइक लीडर

राधेश्याम वैष्णव ने किया। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट सुनील कुमार सोनी ने हाईकिंग के दौरान सुरक्षा नियमों, मार्ग अनुशासन, दल भावना एवं आपदा प्रबंधन की जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शिविर संचालक दिनेश कुमार ने बताया कि रैली के माध्यम से स्काउट यूनिट लीडर्स ने आमजन को सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार करने, कपड़े व जूट के थैलों के उपयोग तथा स्वच्छ व हरित पर्यावरण अपनाने का संदेश दिया। प्रतिभागियों ने नारे लगाकर समाज में पर्यावरण के प्रति सकारात्मक चेतना जागृत की। इस कार्यक्रम में गेहरी लाल, माधव लाल, धर्मेन्द्र कुमार, छोटूलाल, राहुल बर्रा, कैलाश जीनगर एवं चेतन बैरवा सहित अनेक स्काउट यूनिट लीडर्स ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी प्रतिभागियों ने पूर्ण अनुशासन, उत्साह एवं स्काउट भावना के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द के

तत्वावधान में सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त कार्यशाला एवं स्थानीय संघ देवगढ़ के तृतीय सोपान शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्टेट हेडक्वार्टर कमिश्नर स्काउट डॉ. हेमन्त जाखड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने प्रेरक उद्‌बोधन में डॉ. जाखड़ ने कहा कि स्काउटिंग बच्चों के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान आयोजित सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त कार्यशाला में पर्यावरण संरक्षण पर विशेष बल दिया गया। स्काउट–गाइड्स ने "नो प्लास्टिक – ग्रीन अर्थ" का संदेश देते हुए पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। शिविर में बच्चों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि स्काउट–गाइड गतिविधियों से उन्हें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास करने का अवसर मिलता है। सी.ओ. स्काउट सुनील कुमार सोनी ने बताया कि स्काउटिंग बच्चों में सकारात्मक सोच, सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना का विकास करती है। सचिव रामसिंह चौहान ने शिविर का परिचय प्रस्तुत किया, जबकि पूर्व सचिव नारू लाल रैगर ने स्थानीय संघ देवगढ़ की गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में विद्या निकेतन स्कूल देवगढ़ के प्रधानाचार्य ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आशा सुखवाल, नारायण लाल, माधव, चंचल सहित स्थानीय संघ के प्रशिक्षक एवं स्काउट–गाइड सदस्य उपस्थित रहे।

❖ द विजन एकेडमी स्कूल ए यूनिट ऑफ आरएमवी उदयपुर में 30 जनवरी को शहीद दिवस बड़े ही सम्मान और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दो मिनट

के मौन के साथ हुई, जिसमें सभी स्काउट गाइड विद्यार्थियों और शिक्षकों ने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर स्काउट गाइड इकाई के बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने मंच पर आकर देशभक्ति से भरपूर कविताएँ तथा प्रेरणादायक गीत प्रस्तुत किए, जो उपस्थित सभी लोगों के मन को छू गए। बच्चों की प्रस्तुति ने शहीदों के प्रति सम्मान को और गहरा किया तथा देशप्रेम की भावना को जागृत किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ प्रतिमा सामर प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को शहीदों के आदर्शों पर चलने और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को निष्ठा से निभाने की प्रेरणा दी। उमेश चंद्र पुरोहित स्काउट मास्टर, शिप्रा चतुर्वेदी गाइडर, तरुना शर्मा फ्लॉक लीडर ने कार्यक्रम को सफल बनाया। मंडल मुख्यालय से सी.ओ. स्काउट सुरेंद्र कुमार पांडे, सी.ओ. गाइड अभिलाष मिश्रा ने कार्यक्रम की प्रशंसा की और धन्यवाद दिया।

❖ द विजन एकेडमी स्कूल, उदयपुर में 22 फरवरी बेडेन पावेल एवं लेडी बेडेन पावेल का जन्मदिन विश्व चिंतन दिवस के रूप में सर्वधर्म प्रार्थना सभा कर मनाया गया। सी.ओ. गाइड अभिलाषा मिश्रा ने बताया की कार्यक्रम संचालन उमेश चंद्र पुरोहित व शिप्रा चतुर्वेदी द विजन एकेडमी स्कूल ने किया।

सर्वप्रथम स्काउटिंग के जन्मदाता बीपी व लेडी बीपी की तस्वीर पर माला अर्पण कर सभी ने पुष्प अर्पण किये, दीप प्रज्वलित किया गया। तत्पश्चात सभी धर्म की प्रार्थना कर इस दिवस को मनाया गया। इस अवसर पर रॉकवुड्स, एमएमपीएस, हैप्पी होम, अमेरिकन पब्लिक, अभिनव सीनियर सेकेंडरी, दिगंबर जैन, द विजन एकेडमी स्कूल के विद्यार्थी सम्मिलित हुए। द विजन एकेडमी विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉक्टर प्रतिमा सामर ने सभी उपस्थित स्काउट गाइड कब बुलबुल को विश्व चिंतन दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सभी को अपने जीवन में आगे बढ़ने एवं लक्ष्य की प्राप्ति कर दूसरों की हमेशा मदद करने के लिए कहा। एल टी गाइड अंजना शर्मा कार्यक्रम में गाइडर लीना जैन, सबा शौकत, उर्मिला कुवंर राव, नैनी मेहता, शारदा नाथ, वनिता जैन एवं रेंजर चेल्सी व कोमल उपस्थित हुए।

हिमालय वुड बैज

नाग पहाड़ की वादियों में अनुशासन और साहस की एक नई इबारत

श्रवण कुमार
स्वामी विवेकानंद राज. मॉडल स्कूल, भदेसर, चित्तौड़गढ़

स्काउट–गाइड प्रशिक्षण केंद्र, नाग पहाड़ (पुष्कर घाटी), अजमेर में 01 फरवरी से 07 फरवरी 2026 तक हिमालय वुड बैज शिविर में सहभागिता के संस्मरण साझा कर रहा हूँ।

एक सपने की पूर्णता

स्काउटिंग की दुनिया में 'हिमालय वुड बैज' केवल एक डिग्री नहीं, बल्कि एक स्काउटर के लिए समर्पण की पराकाष्ठा है। माउंट आबू में 'एडवांस कोर्स' पूर्ण करने के बाद से ही मन में इस सर्वोच्च प्रशिक्षण को प्राप्त करने की तीव्र इच्छा थी। 'प्री–असाइनमेंट' और गहन अध्ययन के बाद जब चयन सूची में अपना नाम देखा, तो वह पल अत्यंत हर्षोल्लास का था। 01 फरवरी का वह दिन आखिरकार आ ही गया, जब अरावली की प्राचीन पर्वतमाला के बीच स्थित पुष्कर घाटी ने हमारा स्वागत किया।

शिविर का आगाज और टोली भावना

पंजीकरण के साथ ही अनुशासन का पाठ शुरू हो गया। वर्दी की सूक्ष्मता से जांच की गई और गलत लगे हुए बैजों को तुरंत दुरुस्त करवाया गया। यहाँ हमें विभिन्न जिलों से आए अनजान साथियों के साथ नई टोली में शामिल किया गया। देखते ही देखते अनजान चेहरे एक परिवार बन गए। हमारी टोली के मार्गदर्शक (काउंसलर) श्री राकेश टांक जी का शांत और अनुभवी स्वभाव हमारे लिए संबल बना।

कठोर दिनचर्या – भयंकर ठंड और संकल्प

फरवरी की कड़ाके की ठंड और सुबह 5 बजे की प्रभात फेरी.... यहीं से आत्म–अनुशासन की परीक्षा शुरू होती थी। प्रातः काल बी.पी. (बैडेन पॉवेल) के छह व्यायाम, योग और कठिन परेड से शरीर को ऊर्जित किया जाता था।

दिवस सत्र: दिन भर विभिन्न कालांशों में स्काउटिंग के उच्च सिद्धांतों, पायनियरिंग (गाँठें, बंधन और प्रोजेक्ट बनाना) और कैंप क्राफ्ट का गहन प्रशिक्षण दिया गया।

सांयकाल: सूर्यास्त के बाद कैंप फायर की व्यवस्था होती थी, जहाँ दिन भर की शारीरिक थकान सांस्तिक प्रस्तुतियों और ठहाकों के बीच कहीं ओझल हो जाती थी।

नाइट हाइक: रोमांच, सूझबूझ और प्रति से साक्षात्कार शिविर का सबसे चुनौतीपूर्ण और यादगार हिस्सा '14 किलोमीटर की नाइट हाइक' रहा। शाम 5 बजे अचानक मिले आदेश ने हम सबको चौंका दिया। बिना किसी पूर्व तैयारी के, मात्र 15 मिनट के भीतर गर्म बिस्तर और रसद के साथ हमें पहाड़ों की ओर कूच करना था। 8 किलोमीटर का सफर सड़क मार्ग पर था, लेकिन असली परीक्षा तब शुरू हुई जब हम नाग पहाड़ के दुर्गम पथरीले रास्तों पर बढ़े। रात के घुप अंधेरे में रास्ता भटकना डरावना हो सकता था, लेकिन स्काउटिंग ने हमें 'मानचित्र अध्ययन' सिखाया था। टोली के सामूहिक निर्णय और सूझबूझ से हम रास्ता खोजते हुए रात्रि 10 बजे बैजनाथ मंदिर पहुंचे। लूणी नदी के उद्गम स्थल पर स्थित यह रमणिक स्थान अलौकिक था। वहां खुले आसमान के नीचे खाना बनाना और पहाड़ों की गोद में रात्रि विश्राम करना जीवन का सबसे अनूठा अनुभव था।

वरिष्ठ अधिकारियों का सान्निध्य

प्रशिक्षण के दौरान राज्य के शीर्ष नेतृत्व का सान्निध्य मिलना हमारे लिए गौरव की बात थी। स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य जी और राज्य प्रशिक्षण आयुक्त श्री बन्ना लाल जी के उद्बोधनों ने हमारे भीतर सेवा भाव को और प्रगाढ़ किया। शिविर संचालक श्री रघुवीर सिंह जी और श्री शैलेश जी पलोड के नेतृत्व में अनुभवी प्रशिक्षकों की टीम ने 84 प्रशिक्षणार्थियों को तराशने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मुंबई से पधारे श्री शेख आजम (एसओसी) का वैश्विक ष्टिकोण भी हमें सीखने को मिला।

उपलब्धियां और सीख

इस 7 दिवसीय यात्रा ने मुझे केवल तकनीकें ही नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाई। समय प्रबंधनः एक–एक मिनट की कीमत और समयबद्धता। पायनियरिंगः सीमित संसाधनों में बड़ी संरचनाएं खड़ा करना। सामूहिक नेतृत्वः अपनी टोली को साथ लेकर लक्ष्य तक पहुँचना।

निष्कर्ष

7 फरवरी को जब विदाई का समय आया, तो मन भारी था लेकिन गर्व से भरा हुआ। नाग पहाड़ की वादियों में बिताया गया एक–एक क्षण अब मेरी स्मृतियों में स्थाई रूप से अंकित है। मेरा ढ़ विश्वास है कि जो भी व्यक्ति स्काउटिंग के मार्ग पर चल पड़ा है, उसे अपने जीवन में एक बार हिमालय वुड बैज के इस 'तप' से अवश्य गुजरना चाहिए। यह प्रशिक्षण आपको साधारण से असाधारण बनाने की क्षमता रखता है।

पर्यटन स्थल

कुम्भलगढ़

चीन की दीवार के समान है किले की दीवार

– स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

कुम्भलगढ़, राजस्थान के राजसमन्द जिले में स्थित एक विख्यात पर्यटन स्थल है। यह स्थान राज्य के दक्षिणी भाग में स्थित है और कुम्भलमेर के नाम से भी जाना जाता है। कुम्भलगढ़ किला राजस्थान राज्य का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण किला है। इसका निर्माण पंद्रहवी सदी में राणा कुम्भा ने करवाया था। पर्यटक किले के ऊपर से आस पास के रमणीय दृश्यों का आनंद ले सकते हैं। शत्रुओं से रक्षा के लिए इस किले के चारों ओर दीवार का निर्माण किया गया था। ऐसा कहा जाता है कि चीन की महान दीवार के बाद यह एक सबसे लम्बी दीवार है।

कुम्भलगढ़ में पर्यटक स्थलों का भ्रमण

कुम्भलगढ़ अपने शानदार महलों के अतिरिक्त कई प्राचीन मंदिरों के लिए भी प्रसिद्ध हैं। उनमें से वेदी मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर, मुच्छल महादेव मंदिर, परशुराम मंदिर, मम्मदेव मंदिर और रणकपुर जैन मंदिर इस पर्यटन स्थल के मुख्य पवित्र स्थल हैं।

कुम्भलगढ़ अभ्यारण्य चार सींगों वाले हिरन या चौसिंघा, काला तेंदुआ, जंगली सूअर, भेड़ियों, भालू, सियार, सांभर हिरन, चिंकारा, तेंदुओं, लकड़बघ्घों, जंगली बिल्ली, नीलगाय और खरगोश देखने के लिए आदर्श स्थल है। राज्य में केवल इस अभ्यारण्य में ही पर्यटक भेड़ियों को देख सकते हैं। हल्दीघाटी और घणेरो कुम्भलगढ़ के पर्यटन के लिए अन्य प्रसिद्ध आकर्षण हैं।

कुम्भलगढ़ किला

कुम्भलगढ़ किले का निर्माण पंद्रहवी सदी में राजा राणा कुम्भा ने करवाया था। यह मेवाड़ किला बनास नदी के तट पर स्थित है। पर्यटक बड़ी संख्या में इस किले को देखने आते हैं क्योंकि यह किला राजस्थान राज्य का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण किला है। यह विशाल किला 13 गढ़, बुर्ज और पर्यवेक्षण मीनार से घिरा हुआ है। कुम्भलगढ़ किला अरावली की पहाड़ियों में 36 किमी में फैला हुआ है। इसमें महाराणा फ़तेह सिंह द्वारा निर्मित किया गया एक गुंबददार महल भी है। लंबी घुमावदार दीवार दुश्मनों से रक्षा के लिए बनवाई गई थी और ऐसा माना जाता है कि लंबाई के मामले में इसका स्थान चीन की महान दीवार के बाद दूसरा है।

इस किले में सात बड़े दरवाजे हैं। इनमें से सबसे बड़ा राम पोल के नाम से जाना जाता है। किले की ओर जाने वाले मुख्य रास्ते हनुमान पोल पर पर्यटक एक मंदिर देख सकते हैं। हल्ला पोल, राम पोल, पाघरा पोल, निम्बू पोल, भैरव पोल एवं तोप–खाना पोल किले के अन्य दरवाजे हैं।

पर्यटक एक पक्षी की तरह किले के ऊपर से आस पास के क्षेत्रों का अवलोकन कर सकते हैं। करतारगढ़ के नाम से जाना जाने वाला एक और किला कुम्भलगढ़ के मुख्य किले के अंदर स्थित है।

बादल महल

बादल महल को 'बादलों के महल' के नाम से भी जाना

जाता है। यह कुम्भलगढ़ किले के शीर्ष पर स्थित है। इस महल में दो मंजिलें हैं एवं यह संपूर्ण भवन दो आतंरिक रूप से जुड़े हुए खंडों, मर्दाना महल और जनाना महल में विभाजित हैं। इस महल के कमरों को पेस्टल रंगों के भित्ति चित्रों के साथ चित्रित किया गया है जो उन्नीसवीं शताब्दी के काल को प्रदर्शित करते हैं।

पर्यटक जनाना महल में पत्थरों की जालियां देख सकते हैं; ये जालियां रानियों द्वारा दरबार की कार्यवाही को देखने के लिए प्रयोग में लाई जाती थी। कक्ष की रचनात्मक वातानुकूलन प्रणाली देखना एक दिलचस्प बात है। इस प्रणाली में वाहिनी पाइपों की एक श्रृंखला है जो इन सुंदर कमरों को ठंडी हवा प्रदान करती है और

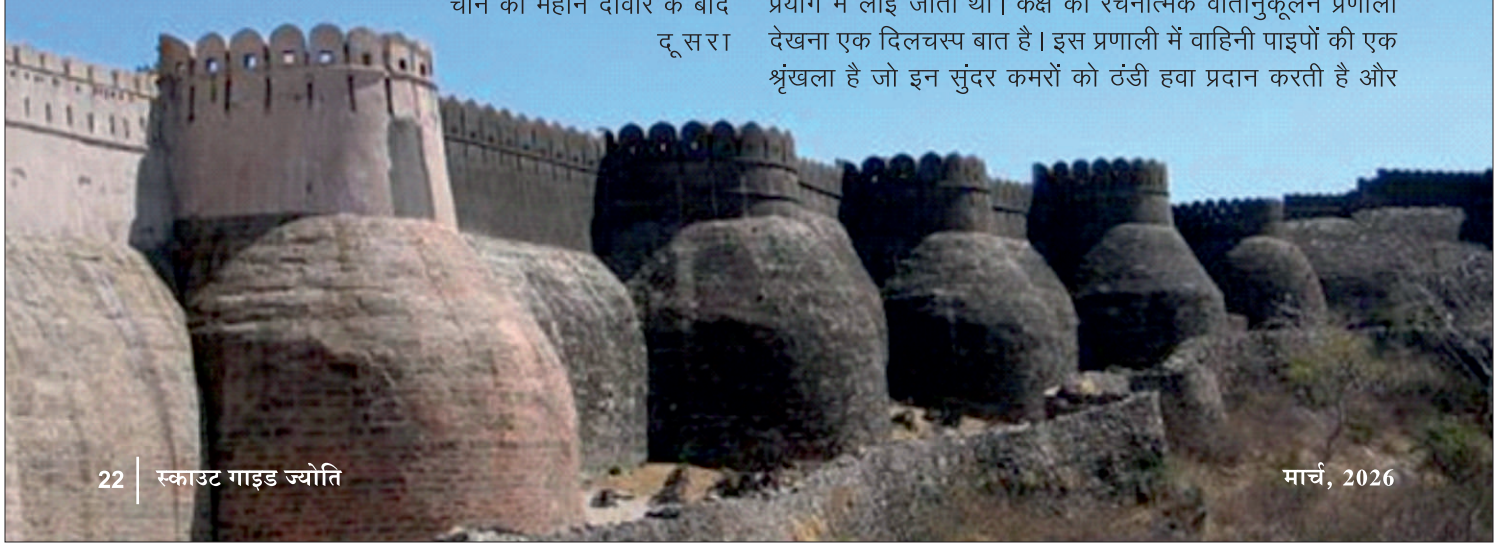

साथ ही कमरों को नीचे से भी ठंडा करती हैं।

कुम्भलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य, उदयपुर

कुम्भलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य, उदयपुर–पाली–जोधपुर रोड़ पर उदयपुर से 65 किमी की दूरी पर स्थित है और कुम्भलगढ़ के किले को घेरता है। अभयारण्य, जो 578 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला हुआ है, इस किले से अपना नाम पाता है और राजसमंद, उदयपुर व पाली जिले के कुछ हिस्सों को शामिल करता है।

यह राजस्थान का एकमात्र अभयारण्य जहां भेड़िये को पाया जा सकता है। अन्य जंगली जानवरों में यहां हायना, सियार, तेंदुए, आलसी भालू, जंगली बिल्लियाँ, साँभर, नीलगाय, चौसिंघा (चार सींग वाले हिरण), चिंकारा और खरगोश शामिल हैं।

गर्मी के मौसम के दौरान आगंतुकों को अक्सर पानी के स्रोत के पास भेड़ियों का झुंड दिख सकता है। यह अभयारण्य पक्षियों में रुचि रखने वालों के लिए एक अच्छी जगह है, जहाँ वे अच्छी तरह से स्लेटी जंगली बाज़ सहित पक्षियों की भारी संख्या देख सकते हैं। कबूतर, मोर, लाल उल्लू, तोता, सुनहरा ओरिओल्स, बुलबुल, स्लेटी कबूतर और सफेद छाती वाले किंगफिशर जैसे अन्य पक्षियों की एक बड़ी संख्या को पानी के पास पाया जा सकता है। हॉर्स सफारी इस क्षेत्र को घूमने का एक सुखद तरीका है, जो सभी प्रकृति प्रेमियों के लिए एक अनूठा आकर्षण है।

नीलकंठ महादेव मंदिर

नीलकंठ महादेव मंदिर कुम्भलगढ़ किले के पास स्थित

है। इस मंदिर में पत्थर से बना हुआ छह फुट का शिवलिंग है। यह पवित्र स्थल भगवान शिव को समर्पित है जो कि इस क्षेत्र के मुख्य देवता हैं। इतिहास के अनुसार राजा राणा कुम्भा इस देवता की पूजा करते थे और एक अप्रिय घटना में उनके अपने ही पुत्र ने उनका सिर धड़ से अलग कर दिया जब वे इस पवित्र स्थल पर पूजा कर रहे थे।

मम्मदेव मंदिर

मम्मदेव मंदिर का निर्माण राजा राणा कुम्भा ने वर्ष 1460 में करवाया था। यह तीर्थ कुम्भलगढ़ किले के नीचे स्थित है और इसमें चार तख्ते हैं। पर्यटक तख्तों पर खुदे हुए शिलालेख देख सकते हैं जो मेवाड़ का इतिहास बताते हैं। यहाँ इतिहास गुहिल के काल से प्रारंभ होकर राणा कुम्भा के समय तक लिखा गया है। गुहिल मेवाड़ के संस्थापक थे।

वर्तमान में ये तख्त उदयपुर के संग्रहालय में सुरक्षित रूप से रखे हुए हैं। पर्यटक मंदिर के भीतर धन के देवता कुबेर की छवि एवं दो कब्रों को देख सकते हैं। ये कब्रें राजा राणा कुम्भा एवं पृथ्वीराज चौहान की याद में बनाई गई हैं। एक सुंदर, बड़ा जलाशय मंदिर के करीब स्थित है।

वेदी मंदिर

वेदी मंदिर कुम्भलगढ़ किले के हनुमान पोल के पास स्थित है। यह जैन मंदिर राणा कुंभा ने तीर्थयात्रियों के बलिदान के सम्मान में बनवाया था। इसके बाद महाराणा फ़तेह सिंह ने इस मंदिर का नवीनीकरण करवाया। यह मंदिर देश के बचे हुए कुछ बलि स्थानों के अवशेषों में से एक माना जाता है।

परशुराम मंदिर

परशुराम मंदिर एक प्राचीन गुफा के अंदर स्थित है एवं प्रसिद्ध संत परशुराम को समर्पित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार संत परशुराम ने भगवान राम का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए यहाँ तपस्या की थी। पर्यटकों को गुफा तक पहुँचने के लिए 500 सीढियां उतरनी पड़ती हैं।

कुम्भलगढ़ तक पहुंचना

पर्यटक आसानी से रेलमार्ग, वायुमार्ग या सड़क द्वारा इस स्थान तक पहुँच सकते हैं। उदयपुर का महाराणा प्रताप हवाईअड्डा या डबोक हवाईअड्डा इस जगह से सबसे निकटतम हवाई अड्डा है। विदेशी पर्यटक नई दिल्ली के इंदिरा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से यहाँ पहुँच सकते हैं। फालना जंक्शन रेलवे स्टेशन कुम्भलगढ़ के सबसे नज़दीक है। मुख्य भारतीय शहर जैसे मुंबई, अजमेर, दिल्ली, अहमदाबाद, जयपुर और जोधपुर लगातार अन्तराल पर चलने वाली रेल गाड़ियों द्वारा इस स्थान से जुड़े हुए हैं। पर्यटक हवाईअड्डे से या फिर रेलवे स्टेशन से टैक्सी द्वारा कुम्भलगढ़ पहुँच सकते है। निजी एवं सरकारी बसें, उदयपुर, अजमेर, जोधपुर और पुष्कर से कुम्भलगढ़ पहुँचने के लिए उपलब्ध हैं।

मौसम

कुम्भलगढ़ में साल भर मौसम सामान्य रहता है। हालाँकि कुम्भलगढ़ में अक्टूबर से लेकर मार्च के बीच का सुहाना मौसम पर्यटन के लिए आदर्श समय है। इस समय के दौरान आने वाले पर्यटक कुम्भलगढ़ में पर्यटन स्थलों के भ्रमण का एवं वन्य जीवन का

हमारा स्वास्थ्य

सर्दियों में बोन हेल्थ हड्डियों का कैसे रखें ख्याल?

स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

कहते हैं दिन की शुरुआत अगर अच्छी ही, तो पूरा दिन अच्छा जाता है और आप अच्छा महसूस भी करते हैं। और अगर सर्दियों के सीजन में बोन हेल्थ को स्ट्राँग बनाना हो, तो सुबह की धूप है सबसे ज्यादा जरूरी। दरअसल जब त्वचा सूर्य की किरणों के संपर्क में आती है, तो बॉडी को विटामिन डी मिलता है। वहीं सर्दियों के मौसम में ठंड और मौसम में आई नमी स्किन के साथ-साथ बोन पर भी नेगेटिव प्रभाव डालते है। ठंड ज्यादा होने की वजह से घर से बाहर निकलना भी पसंद नहीं करते हैं, जो हड्डियों के लिए नुकसानदायक होता है।

हम सभी शरीर के ऊपरी हिस्से जैसे त्वचा और बालों की उचित देखभाल करते हैं, लेकिन क्या आपने कभी अपनी हड्डियों की देखभाल पर ध्यान दिया है? अनेक लोगों से बात करने और उनसे जानने की कोशिश करने पर कि क्या उन्हें सर्दियों के सीजन में बोन हेल्थ (Bone health) से जुड़ी परेशानी भी होती है, तो अधिकांश का कहना होता है कि 'जैसे ही ठंड शुरू होती है, उन्हें हड्डियों में दर्द के साथ–साथ जोड़ों में दर्द की भी तकलीफ शुरू हो जाती है।' वहीं कई लोगों का का रीएक्शन तो पीड़ादायक ही मिलता है, कहते हैं कि 'मैं अपने हेल्थ का ध्यान तो अच्छी तरह से रखता हूं, लेकिन ठंड की दस्तक मुझे परेशानी में डाल देती है। मुझे अक्सर मेरी बॉडी अकड़ी हुई सी महसूस होती है, जिससे मुझे तकलीफ होती है।' कई लोग तो सर्दियों के सीजन में बोन हेल्थ में परेशानी होने से तकलीफ में रहते हैं। वैसे ऐसा नहीं है कि बोन हेल्थ बिगड़ने से सिर्फ वही परेशान हों, बल्कि ऐसे कई लोग हैं, जिनकी शिकायत यही रहती है कि सर्दियों के मौसम में हड्डियों और जोड़ों का दर्द उन्हें अत्यधिक सताता है। इस लेख में खासतौर से बोन हेल्थ (Bone health) यानी हड्डियों को कैसे सर्दियों के मौसम में स्वस्थ्य रखा जाए?और साथ ही जानेंगे इससे जुड़े कई अन्य महत्वपूर्ण बातें।

क्यों होती है सर्दियों में हड्डियों से जुड़ी परेशानी?

ठंड के मौसम में शरीर को सामान्य दिनों की तुलना में ऑक्सिजन की मात्रा कम मिलती है, जिससे रेस्पिरेटरी डिजीज का खतरा बढ़ सकता है। ऐसा नहीं है कि यह परेशानी सिर्फ यहीं तक सिमित हो, बल्कि हड्डियों से संबंधित तकलीफें भी बढ़ जाती है। दरअसल ऑक्सिजन लेवल की कमी नर्वस सिस्टम पर नेगेटिव प्रभाव डालती है, जिसका असर हड्डियों पर पड़ता है। ऐसी स्थिति में हड्डियों में दर्द या जोड़ों में दर्द परेशानी बढ़ जाती है।

सर्दियों के सीजन में बोन हेल्थ (Bone health) यानी हड्डियों का कैसे रखें ख्याल?

बोन हेल्थ को हेल्दी बनाये रखने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं। इन उपायों में शामिल है:

1. सुबह की धूप है जरूरी (Morning Sunlight)–

कहते हैं दिन की शुरुआत अगर अच्छी ही, तो पूरा दिन अच्छा जाता है और आप अच्छा महसूस भी करते हैं। और अगर सर्दियों के सीजन में बोन हेल्थ को स्ट्रॉन्ग बनाना हो, तो सुबह की धूप है सबसे ज्यादा जरूरी। दरअसल जब त्वचा सूर्य की किरणों के संपर्क में आती है, तो बॉडी को विटामिन डी मिलता है। वहीं सर्दियों के मौसम में ठंड और मौसम में आई नमी स्किन के साथ–साथ बोन पर भी नेगेटिव प्रभाव डालते है। ठंड ज्यादा होने की वजह से घर से बाहर निकलना भी पसंद नहीं करते हैं, जो हड्डियों के लिए नुकसानदायक होता है। इसलिए ठंड के मौसम में रोजाना सुबह की धूप में कुछ देर वक्त जरूर बिताएं और बोन प्रॉब्लम

को दूर रखें।

2. मालिश से बनायें हड्डियों को मजबूत (Body Massage)–

उम्र बढ़ने के साथ–साथ हड्डियां ठंड से ज्यादा प्रभावित होने लगती हैं। इसलिए सर्दियों के मौसम में हल्के गर्म तेल से बॉडी मसाज जरूर करें या करवाएं। मसाज से हड्डियों को गर्माहट मिलती है, जिससे सिकुड़ी हुई नसों को ठीक किया जाता है। यही नहीं मालिश से बॉडी रिलैक्स होती है और मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं।

3. मॉर्निंग वॉक है हेल्दी बोन का सीक्रेट (Morning walk)–

मॉर्निंग वॉक खुद को फिट रखने के लिए हर मौसम में किया जा सकता है। वहीं सर्दियों में सुबह की सैर ज्यादा लाभकारी मानी जाती है। इससे बॉडी को गर्माहट मिलती है और आप ठंड में भी फिजिकली एक्टिव रहते हैं। मॉर्निंग वॉक से मेंटल हेल्थ को भी फिट रखने में सहायता मिलती है। रेग्यूलर वॉकिंग से वजन भी संतुलित रहता है। कभी–कभी वजन ज्यादा होने की वजह से भी हड्डियों में दर्द की समस्या हो सकती है।

4. गुनगुने पानी से स्नान करें (Lukewarm water bath)–

सर्दियों के मौसम में हड्डियों या जोड़ों की परेशानी को दूर करने के लिए गुनगुने पानी से स्नान करें। अगर आप स्नान नहीं करने की इच्छा होने पर आप गुनगुने पानी से पैर धोएं।

5. सर्दियों में ऑक्सिजन लेवल हो सकता है डाउन (Oxygen level)–

ठंड के मौसम में रक्त धमनियां (Blood arteries) सिकुड़ जाती हैं और जब ऐसी स्थिति होती है, तो ब्लड सर्क्युलेशन बॉडी में बेहतर तरीके से नहीं होता है। जैसा की हमसभी जानते हैं कि जब शरीर में खून, पानी या ऑक्सिजन की बैलेंस मात्रा नहीं पहुंचने से शारीरिक परेशानी शुरू हो सकती है। इसलिए यह हमेशा ध्यान रखें कि अगर शरीर में ऑक्सिजन लेवल की कमी आती है, तो नर्वस सिस्टम पर इसका नेगेटिव प्रभाव पड़ता है, जिसका असर हड्डियों पर पड़ता है और दर्द होने की भी संभावना हो सकती है। इसलिए ब्रीदिंग तकनीक पर ध्यान दें और हड्डियों या जोड़ों की तकलीफ से बचें।

6. हेल्दी बोन के लिए विटामिन्स है जरूरी (Vitamins)–

अगर आपको हड्डी या जोड़ों की समस्या (श्रवपदजे चंपद) रहती है, तो उन्हें विटामिन–डी, विटामिन–के और विटामिन–सी का सेवन अवश्य करना चाहिए। ध्यान रखें अगर शरीर में विटामिन–डी की कमी होती है, तो ऑस्टियोपोरोसिस (Osteoporosis) का खतरा बना रहता है। वहीं अगर ये समस्या लंबे वक्त तक बनी रहे तो हड्डियों से जुड़ी तकलीफ बढ़ सकती है। विटामिन–डी, विटामिन–के और विटामिन–सी हड्डियों में कैल्शियम को एब्सॉर्ब करने में मददगार होते हैं और कार्टिलेज के निर्माण में भी सहायक होते हैं। इसलिए हड्डियों को स्ट्रॉन्ग बनाने के लिए मछली, अंडे का योल्क, दूध, पनीर, ब्रोकली, पालक, गोभी, संतरे, नींबू, स्ट्रॉबेरी और कीवी का सेवन करें।

7. कैफीन के सेवन से बचें (Caffeine)–

कैफीन युक्त पेय पदार्थों का सेवन कम से कम करें। दरअसल कैफीन कैल्शियम को एब्सॉर्ब करने का कार्य करता है, जिससे शरीर में कैल्शियम की कमी हो सकती है। चाय या कॉफी जैसे पेय पदार्थों के अलावा फिजी ड्रिंक्स से भी दूरी बनायें।

8. हड्डियों की मजबूती के लिए कैल्शियम है जरूरी (Calcium)–

बोन हेल्थ की बात करें और कैल्शियम इसमें शामिल ना करें, तो ऐसा कैसे हो सकता है। दरअसल मजबूत हड्डियों का राज छिपा होता है कैल्शियम में। इसलिए अपने डायट दूध, दही, ब्रोकली, पनीर, फलियां, ड्राय फ्रूट्स, सी–फूड और हरी पत्तेदार सब्जियां का सेवन अवश्य करें। इनके सेवन से हड्डियों को सट्रॉन्ग बनाने के साथ–साथ जॉइंट्स प्रॉब्लम भी दूर हो सकती है।

जोड़ों या हड्डियों से संबंधित परेशानियों से बचने के लिए इन निम्नलिखित बातों का भी रखें ध्यान। जैसेः

अगर आप कंप्यूटर पर काम करते हैं या लगातार बैठकर काम करते हैं, तो इससे भी जोड़ों में दर्द (Joints pain) की तकलीफ हो सकती है। इसलिए लगातार ना बैठें और बीच–बीच में गैप लें और वॉक करें। बैठने के दौरान गर्दन और कंधे को झुकाकर ना बैठें और अपने पॉश्चर पर ध्यान दें।

एक रिसर्च के मुताबिक तंबाकू का सेवन हड्डियों को कमजोर बना सकता है। तंबाकू की वजह से ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ सकता है।

एल्कोहॉल के सेवन से बचें। एल्कोहॉल के कारण भी हड्डियां कमजोर हो सकती हैं, और आपकी तकलीफ बढ़ सकती है।

बोन हेल्थ की तकलीफ ना हो गंभीर, इसलिए डॉक्टर से कब करें कंसल्ट ?

- दर्द बढ़ने पर या ज्यादा वक्त तक दर्द होने पर।
- बिना किसी चोट के भी हड्डियों या जोड़ों में दर्द होना।
- जॉइंट पेन से बैक पेन की तकलीफ शुरू होना।
- दर्द की वजह से बुखार आना।
- सामान्य से ज्यादा वजन कम होना।
- जोड़ों में दर्द या सूजन आना।

इन परेशानियों के अलावा अगर कोई और तकलीफ महसूस होती है, तो जल्द से जल्द डॉक्टर से संपर्क करें।

– helloswasthya.com से साभार

हमारे महापुरुष

रामकृष्ण परमहंस

संत एवं विचारक

परमहंस जी का जीवन विभिन्न साधनाओं तथा सिद्धियों के चमत्कारों से पूर्ण है, किंतु चमत्कार महापुरुष की महत्ता नहीं बढ़ाते. परमहंस जी की महत्ता उनके त्याग, वैराग्य, पराभक्ति और उस अमृतोपदेश में है, जिससे सहस्त्रों प्राणी कृतार्थ हुए, जिसके प्रभाव से ब्रह्मसमाज के अध्यक्ष केशवचन्द्र सेन जैसे विद्वान भी प्रभावित थे, जिस प्रभाव एवं आध्यात्मिक शक्ति ने नरेन्द्र –जैसे नास्तिक, तर्कशील युवक को परम आस्तिक, भारत के गौरव का प्रसारक स्वामी विवेकानन्द बना दिया।

रामकृष्ण परमहंस भारत के ऐसे महान संत एवं विचारक थे, जिन्होंने सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। अतः ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति को समर्पित जीवन बिताया। स्वामी रामकृष्ण मानवता के पुजारी थे। साधना के फलस्वरूप वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं। सभी धर्म ईश्वर तक पहुँचने के भिन्न–भिन्न साधन मात्र हैं।

मानवीय मूल्यों के पोषक संत रामकृष्ण परमहंस का जन्म 18 फरवरी, 1836 को बंगाल प्रांत स्थित कामारपुकुर ग्राम में हुआ था। इनके बचपन का नाम गदाधर था। पिताजी के नाम खुदिराम और माताजी के नाम चन्द्रमणीदेवी था। इनकी बालसुलभ सरलता और मंत्रमुग्ध मुस्कान से हर कोई सम्मोहित हो जाता था।

सात वर्ष की अल्पायु में ही गदाधर के सिर से पिता का साया उठ गया। ऐसी विपरीत परिस्थिति में पूरे परिवार का भरण–पोषण कठिन होता चला गया। आर्थिक कठिनाइयां आईं। बालक गदाधर का साहस कम नहीं हुआ। इनके बड़े भाई रामकुमार चट्टोपाध्याय कलकत्ता (कोलकाता) में एक पाठशाला के संचालक थे। वे गदाधर को अपने साथ कोलकाता ले गए। रामकृष्ण का अन्तर्मन अत्यंत निश्छल, सहज और विनयशील था। संकीर्णताओं से वह बहुत दूर अपने कार्यों में लगे रहते थे।

सतत प्रयासों के बाद भी रामकृष्ण का मन अध्ययन–अध्यापन में नहीं लग पाया। कलकत्ता के पास दक्षिणेश्वर स्थित भवतारिणी काली माता के मंदिर में अग्रज रामकुमार ने उन्हें पुरोहित का दायित्व सोंपा, परन्तु रामकृष्ण इसमें भी नहीं रम पाए।

कालान्तर में बड़े भाई भी चल बसे। इस घटना से वे व्यथित हुए। संसार की अनित्यता को देखकर उनके मन में वैराग्य का उदय हुआ। अन्दर से मना करते हुए भी श्रीरामकृष्ण मंदिर की पूजा एवं अर्चना करने लगे। दक्षिणेश्वर स्थित पंचवटी में वे ध्यानमग्न रहने लगे। यहीं उन्होंने माँ महाकाली के चरणों में अपने को उत्सर्ग कर दिया। ईश्वर दर्शन के लिए वे व्याकुल हो गये। लोग उन्हें पागल समझने लगे। वे घंटों ध्यान करते और माँ के दर्शनों के लिये तड़पते. एक दिन अर्धरात्रि को जब व्याकुलता सीमा पर पहुंची, माँ जगदम्बा ने प्रत्यक्ष होकर कृतार्थ कर दिया। गदाधर अब परमहंस रामकृष्ण ठाकुर हो गये.

माँ चन्द्रमणी देवी ने अपने बेटे की उन्माद की अवस्था से चिन्तित होकर गदाधर का विवाह शारदा देवी से कर दिया। इसके बाद भैरवी ब्राह्मणी का दक्षिणेश्वर में आगमन हुआ। उन्होंने उन्हें तंत्र की शिक्षा दी। मधुरभाव में अवस्थान करते हुए ठाकुर ने श्रीकृष्ण का दर्शन किया। उन्होंने तोतापुरी महाराज से अद्वैत वेदान्त का ज्ञान लाभ प्राप्त किया और जीवन्मुक्त की अवस्था को प्राप्त किया। सन्यास ग्रहण करने के बाद उनका नया नाम हुआ श्री रामकृष्ण परमहंस। इसके बाद उन्होंने ईस्लाम और क्रिश्चियन धर्म की भी साधना की।

भक्तों का आगमन

समय जैसे–जैसे व्यतीत होता गया, उनके कठोर आध्यात्मिक अभ्यासों और सिद्धियों के समाचार तेजी से फैलने लगे और दक्षिणेश्वर का मंदिर उद्यान शीघ्र ही भक्तों एवं भ्रमणशील सन्यासियों का प्रिय आश्रय स्थल हो गया। परमहंस जी का जीवन विभिन्न साधनाओं तथा सिद्धियों के चमत्कारों से पूर्ण है, किंतु चमत्कार महापुरुष की महत्ता नहीं बढ़ाते. परमहंस जी की महत्ता उनके त्याग, वैराग्य, पराभक्ति और उस अमृतोपदेश में है, जिससे सहस्त्रों प्राणी कृतार्थ हुए, जिसके प्रभाव से ब्रह्मसमाज के अध्यक्ष केशवचन्द्र सेन जैसे विद्वान भी प्रभावित थे, जिस प्रभाव एवं आध्यातमिक शक्ति ने नरेन्द्र –जैसे नास्तिक, तर्कशील युवक को परम आस्तिक, भारत के गौरव का प्रसारक स्वामी विवेकानन्द बना दिया।

कुछ बड़े–बड़े विद्वान एवं प्रसिद्ध वैष्णव और तांत्रिक साधक जैसे– पं. नारायण शास्त्री, पं. पद्मलोचन तारकालकार, वैष्णवचरण और गौरीकांत तारकभूषण आदि उनसे आध्यात्मिक प्रेरणा प्राप्त करते रहे। वह शीघ्र ही तत्कालीन सुविख्यात विचारकों के घनिष्ठ संपर्क में आए जो बंगाल में विचारों का नेतृत्व कर रहे थे। इनमें केशव चंद्र सेन, विजयकृष्ण गोस्वामी, ईश्वरचंद्र विद्यासागर के नाम लिए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त साधारण भक्तों का एक दूसरा वर्ग था, जिसके सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्ति रामचंद्र दत्त, गिरीशचंद्र घोष, बलराम बोस, महेंद्रनाथ गुप्त (मास्टर महाशय) और दुर्गाचरण नाग थे।

रामकृष्ण परमहंस जीवन के अंतिम दिनों में समाधि की स्थिति में रहने लगे। अतरू तन से शिथिल होने लगे। शिष्यों द्वारा स्वास्थ्य पर ध्यान देने की प्रार्थना पर अज्ञानता जानकर हँस देते थे। इनके शिष्य इन्हें ठाकुर नाम से पुकारते थे। रामकृष्ण के परमप्रिय शिष्य विवेकानन्द कुछ समय हिमालय के किसी एकान्त स्थान पर तपस्या करना चाहते थे। यही आज्ञा लेने जब वे गुरु के पास गये तो रामकृष्ण ने कहा–वत्स हमारे आसपास के क्षेत्र के लोग भूख से तड़प रहे हैं। चारों ओर अज्ञान का अंधेरा छाया है। यहां लोग रोते–चिल्लाते रहें और तुम हिमालय की किसी गुफा में समाधि के आनन्द में निमग्न रहो, क्या तुम्हारी आत्मा स्वीकारेगी ? इससे विवेकानन्द दरिद्र नारायण की सेवा में लग गये। रामकृष्ण महान योगी, उच्चकोटि के साधक व विचारक थे। सेवा पथ को ईश्वरीय प्रशस्त मानकर अनेकता में एकता का दर्शन करते थे। सेवा से समाज की सुरक्षा चाहते थे। गले में सूजन को जब डाक्टरों ने कैंसर बताकर समाधि लेने और वार्तालाप से मना किया तब भी वे मुस्कराये। चिकित्सा कराने से रोकने पर भी विवेकानन्द इलाज कराते रहे। चिकित्सा के बावजूद उनका स्वास्थ्य बिगड़ता ही गया। अंत में वह दुख का दिन आ गया। 1886 ई. 16 अगस्त, सवेरा होने के कुछ ही वक्त पहले आनन्दघन विग्रह श्रीरामकृष्ण इस नश्वर देह को त्याग कर महासमाधि द्वारा स्व–स्वरुप में लीन हो गये।

अन्त में यह कहना उचित होगा कि सपनों और हकीकत की दुनिया के बीच के संसार को सबके सामने उजागर करने के साथ सभी धर्मों को एक मान कर विश्व एकता पर बल देने का मंत्र सबसे ज्यादा प्रभावी रुप से रामकृष्ण परमहंस जी ने रखा।

पुष्कर की पावन धरा पर हिमालय वुडबैज कोर्स

सारांश जैन
हिमालय वुड बैज (सवाई माधोपुर)

पुष्कर की पावन धरती पर, अरावली की गोद में,
हमने सीखा चलना मिलकर, विश्वास और संयोग में।
हिमालय वुडबैज कोर्स था जैसे तप की एक साधना,
हर गतिविधि में छिपी हुई थी जीवन की नई साधना।

प्रातः की पहली किरणों संग उठता उत्साह नया,
हर संध्या संग आत्ममंथन का मिलता संदेश नया।
पग–पग पर अनुशासन सीखा, सेवा का विस्तार हुआ,
साहस, नेतृत्व और समर्पण का सुंदर संचार हुआ।

जब मध्य में पधारे हमारे आदरणीय अतिथि महान,
स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य सर का मिला स्नेहपूर्ण वरदान।
साथ ही स्टेट ट्रेनिंग कमिश्नर श्री बन्ना लाल जी सर का प्रेरक उद्बोधन,
उनके वचनों ने कर दिया मन में नव संकल्पों का रोपण।

एल.ओ.सी. रघुवीर सर, शैलेश सर का मार्गदर्शन,
हर कठिनाई में बना रहा उनका अटूट संरक्षण।
एस.ओ.सी. वेस्टर्न रेलवे आजम सर, सी.ओ. नरेंद्र सर का साथ रहा,
सवाई सर, भंवर सर, मदन सर, दीपेश सर का विश्वास रहा।

राकेश सर, बलराज सर, यादाराम सर, जगदीश सर का स्नेह मिला,
रौशन सर और राजमल सर से अनुभवों का सेतु मिला।
सबके सहयोग और आशीष से यह कोर्स सफल हुआ,
पंद्रह वर्षों का श्रम जैसे आज पूर्णतः फलित हुआ।

यदि भूल से किसी के मन को मैंने पीड़ा दी हो कहीं,
तो विनम्र हृदय से क्षमा माँगू, मेरी भावना रही नहीं।
आशीर्वाद बना रहे सबका, बस इतनी अभिलाषा है,
सेवा–पथ पर चलता रहूँ.....यही मेरी परिभाषा है।

जय हिन्द, जय भारत का गूँजे हर पल अभिनंदन,
स्काउट भावना संग जीवन बने सेवा का वंदन।
पुष्कर की स्मृतियाँ रहेंगी मन में सदा उजास,
हिमालय वुडबैज कोर्स बना जीवन का मधुर प्रकाश।

शुभ स्काउट।

प्रकृति शिक्षण के लिए जरूरी नेचर कैंप

प्रकृति न केवल बहुत सी प्रजातियों का घर है, बल्कि मानव के जीवनयापन एवं टिकाऊ विकास के लिए भी अत्यन्त महत्वपूर्ण है। तीव्रता से हो रहे विकास के इस युग में यह आवश्यक है कि मानव पृथ्वी के इस प्राकृतिक तादत्म्य, बदलते हुए मौसम, मनोरम सौन्दर्य और अद्भुत रहस्य के साथ जुड़ा रहे।

नेचर कैंप हमें प्रकृति शिक्षण का एक रोचक अनुभव का अवसर प्रदान करता है, जिससे हम प्रकृति के इन अन्तरसंबंधों को समझ सकें तथा प्रकृति एवं प्राकृतिक संसाधनों की सराहना और संरक्षण करें।

नेचर कैंप का उद्देश्य –

- प्रकृति को अनुभव करना और उसमें होने वाली अन्तःक्रियाओं और समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त करना।
- प्रकृति एवं प्राकृतिक संसाधनों का महत्व समझना और सराहना
- प्रकृति, पर्यावरण और वन्यजीवों के प्रति प्रेम भावना का विकास
- प्रकृति एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूकता
- जीव–जंतुओं की विभिन्न प्रजातियों का परिचय
- विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेक्षण, प्रयोग, सर्वेक्षण, जानकारी एकत्रण, विश्लेषण तथा विवेचन जैसे कौशल विकसित करना।

नेचर कैंप की कुछ गतिविधियाँ

- इको गतिविधियों एवं खेल का प्रदर्शन
- वन्य जीवों की पहचान
- पक्षी अवलोकन
- जंगल भ्रमण
- पद–चिन्हों से सीखना
- आदिवासी जन–जीवन के बारे में जानना और उनसे मुलाकात
- प्रकृति से संबंधित कला–कौशल के बारे में जानना
- प्रकृति और वन्य जीवों की फोटोग्राफ लेने का मूलभूत कौशल

सेंटर फॉर एनवायरमेंट एजुकेशन द्वारा विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्र जैसे पहाड़, जंगल, मरुस्थल और समुद्र आदि कैंप क्षेत्रों में नेचर कैंप का आयोजन किया जाता है। नेचर कैंप के कुछ प्रमुख कैंप क्षेत्र निम्न हैं–

- जंगल पारिस्थितिकी तंत्र : बाकोर, सेम्बल पाणी
- पहाड़ी पारिस्थितिकी तंत्र : माउन्टआबू
- मरुस्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र : जैसलमेर
- समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र : बेट द्वारिका

प्रकृति शिक्षण के रोचक अनुभव हेतु नेचर कैंप की अधिक जानकारी के लिए एन.जी.सी. की रिसोर्स एजेन्सी 'सी.ई.ई', जयपुर कार्यालय पर सम्पर्क करें।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'शिविर जीवन व विनोदक' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

शिविर जीवन
CAMPER

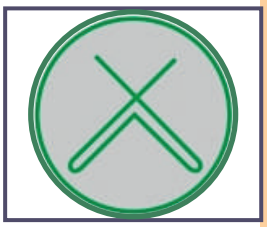

बालक–बालिकाओं में शिविर जीवन के प्रति रूचि एवं इनका व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने की दृष्टि से शिविर जीवन दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। जीवन में हर परिस्थिति में सही तरीके से जीवन व्यतीत करने और घर से बाहर की दिनचर्या में दक्षता हांसिल करने के बारे में पूर्ण जानकारी प्रदान करना तथा उसी आधार पर परीक्षण करने के उपरान्त शिविर जीवन दक्षता बैज प्रदान किया जाता है। इसे प्राप्त करने की प्रक्रिया निम्नानुसार है –

1. एक सप्ताह के शिविर तथा सप्ताहन्त हाइक या समुद्री यात्रा के लिए व्यक्तिगत आवश्यक सामान की जानकारी हो। सात लड़कों वाले एक सप्ताहन्त टोली शिविर या समुद्री यात्रा के लिए सामान तथा खाद्य–सामग्री (राशन) की जानकारी हो।
2. टोली अथवा दल के शिविर के लिए स्थान चयन के मुख्य बिन्दुओं की जानकारी हो तथा साथ ही साथ कच्ची योजना बना कर बताए कि वह तम्बू, रसाईघर व सफाई आदि का ध्यान रखते हुए एक टोली–शिविर की व्यवस्था कैसे करेगा।

अथवा

खेई जाने वाली या पाल वाली नाव या समुद्री जहाज के लिए लंगर डालने, बाँधने या लंगर डालने के बाद जहाज को इधर–उधर हिलने के लिए पर्याप्त स्थान को चुनना जाने।

3. इस तथ्य का प्रदर्शन करें कि –
   (अ) वह कुल्हाड़ी के प्रयोग एवं उसकी सुरक्षा उपायों के बारे में जानता है।
   (ब) प्रथम सोपान व द्वितीय सोपान की गाँठों के अतिरिक्त स्लिप रीफ, उब्ल शीट बैंड, बोलाइन ओन ए बाइट और मैन हार्नेस बांधना और उनके उपयोग को जानता है।
4. 90 पौंड तथा 180 पौंड वाली छोलदारी की छोटी–मोटी मरम्मत करना, उसे गाड़ना (लगाना), उखाड़ना तथा तह करने (समेटने) का प्रदर्शन कर सके या स्थानीय उपलब्ध सामग्री से अपनी टोली के सोने योग्य पर्याप्त झोपड़ी बना सके।
5. शिविर पाक विद्या के ज्ञान का प्रदर्शन कर सके तथा भोजन को सुरक्षित ढंग से रखने, पानी को साफ करने तथा कूड़े–करकट को नष्ट करने के तरीकों की सन्तोषजनक जानकारी का प्रदर्शन कर सके।
6. वह अपनी टोली या दल के साथ तम्बू में स्वनिर्मित अस्थायी झोपड़ी में , या जहाज पर या नाव पर कम–से–कम 12 रात्रि का शिविर कर चुका हो और कम–से–कम तीन रात तक अकेला या किसी दूसरे स्काउट के साथ शिविर कर चुका हो। उपरोक्त दोनों दशाओं में ये रातें लगातार होना जरूरी नहीं है।

विनोदक
ENTERTAINER

हँसमुख व्यक्तित्व उत्तम स्वास्थ्य का द्योतक है। बच्चों में उत्तम स्वास्थ्य वृद्धि की दृष्टि से विनोदक दक्षमा पदक का प्रावधान रखा है, जिससे वें इसकी विशेषताओं को जान सकें और स्वयं में एक हँसमुख व्यक्तित्व विकसित करें। विनोदक दक्षता पदक के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम अनुसार किन्ही तीन में पारंगत होना आवश्यक है। कब / बुलबुल उसका चयन कर सकते हैं।

- किसी वाद्ययंत्र पर सरल धुन निकालना या कोई गीत लय में गा सकना।
- दो कलात्मक मुद्राओं पर ताल सहित कदम मिलाना।
- दो क्रियात्मक मुद्राओं सहित गीत व एक्शन साँग कर सकना।
- किसी ऐतिहासिक घटना अथवा कहानी का उचित वेशभूषा में अभिनय करना।
- वांछित चरित्र को उजागर करने की क्षमता को प्रकट करना।
- किसी कहानी को प्रभावी ढंग से अन्य कब / बुलबुल को सुनाना।

निर्देश :– विनोदक दक्षता पदक प्रत्येक कब / बुलबुल को करवाया जाना चाहिए। इसमें कब मास्टर / फ्लॉक लीडर की अहम भूमिका रहती है। उपरोक्त कार्यों को करना जीवन की सुखमय प्रवृत्ति को उजागर करना है, यदि जीवन में संगीत को निकाल दें तो जीवन नीरस हो जायेगा। जीवन को रसमय बनाने के लिए संगीत का होना सुख की अनुभूति को प्रकट करता है। पक्षियों का कलरव, कोयल की कूक – यद्यपि हम भाषा नहीं जानते लेकिन उनमें भी संगीत, लय, ताल, रिद्म होता है।

आज के भौतिक और यंत्र चलित जीवन में टी.वी. में अनेक लाफ्टर शो चलते हैं, ताकि मनुष्य कुछ क्षण ही सही हँसें, मनोरंजन कर सके।

कब / बुलबुल गतिविधियों में भी विनोदक दक्षता बैज उनमें संगीत, हास्य, खुशी स्वयं के भावों की अभिव्यक्ति को प्रकट करने की क्षमता का विकास करता है। शंकालु प्रवृत्ति को दूर कर आत्मविश्वास जगाता है।

कहानी कला के माध्यम से क्रमबद्धता को व्यवस्था देना प्रकट करता है। बाल सभा, कब बुलबुल उत्सव, एक रात्रि शिविर इत्यादि में अधिक से अधिक भाग लेने हेतु अवसर प्रदान करना।

जहाँ–जहाँ आवश्यक हो कब मास्टर / फ्लॉक लीडर को मार्गदर्शन व स्वयं करके बतलाना चाहिये ताकि कब / बुलबुल अनुसरण कर सकें।

गतिविधि पञ्चांग

राज्य पञ्चांग

PROPOSED

नाम शिविर/गतिविधि	स्थान	तिथियां
ऑर्गेनाइजिंग कमिश्नर व प्रोग्राम एवं प्लानिंग कमेटी सभा	जयपुर	07 से 08.03.2026
नेशनल लेवल एनवायरमेंट एवयरनेस कम ड्रेजर्ट ट्रेंकिंग प्रोग्राम	जैसलमेर	08 से 14.03.2026
दिव्यांग गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2026 तक
अनाथालय गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2026 तक
पालनहार गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2026 तक
अनुसूचित जाति स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2026 तक
जनजाति गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2026 तक
ग्रामीण गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2026 तक
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत नं. 1	21 से 25.03.2026
राज्य स्तरीय मासिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	राज्य स्तर पर	10.03.2026 तक
पाक्षिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	10.03.2026 तक
सचिव/सर्कल ऑर्गेनाइजर्स सभा	मण्डल स्तर पर	31.03.2026 तक
जिला कार्यकारिणी सभा	जिला स्तर पर	31.03.2026 तक
राज्य कार्यकारिणी सभा	राज्य स्तर पर	31.03.2026 तक
नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रतिमाह
स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	जिला स्तर पर	प्रतिमाह
एमओपी/एसडीजी पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 11, 13)	जिला स्तर पर	प्रतिमाह
नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप स्तर पर	प्रति शनिवार
डी.एल.एड/बी.एड बेसिक कोर्स/ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
National Youth Adventure Programme	Dec.2025 to March 2026	Sarsai, Manali, HP
National Youth Adventure Programme	Oct.2025 to March 2026	Sam Sand Dunes, Jaisalmer
National Level Agnoree	27 - 31 March 2026	NYC, Gadpuri, Haryana
National Level Environment Awareness & Coastal Trekking Programme	20 - 24 April 2026	Sasan Gir, Gujarat

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
39th WAGGGS World Conference	14 - 19 June 2026	Siem Reap, Cambodia
Jamboree Denmark 2026	18 - 26 July 2026	Hedeland Naturepark
Icelandic International Jamboree 2026	20 - 26 July 2026	Hamrar Outdoor Scout Center
26th World Scout Jamboree-Poland	30 July - 08 August 2027	Gdansk, Northern Poland

National Headquarters website : www.bsgindia.org

विश्व स्काउट एवं गाइड चिंतन दिवस आयोजन

कोटा में सर्वधर्म प्रार्थना सभा करते पदाधिकारी

भरतपुर - लॉर्ड एवं लेडी बेडन पॉवेल का जन्मदिन मनाते हुए

सिरोही में विश्व स्काउट दिवस पर लॉर्ड बेडेन पॉवेल के चित्र पर माल्यार्पण

सीकर में विश्व स्काउट व गाइड चिंतन दिवस पर जागरूकता रैली का आयोजन

टोंक में सर्वधर्म प्रार्थना सभा करते हुए स्काउट गाइड संग अधिकारी

झुन्झुनू में विश्व स्काउट व थिंकिंग डे आयोजन

अजमेर में लॉर्ड व लेडी बेडेन पॉवेल के जन्मदिन पर तैयार स्पेशल केक

जोधपुर में विश्व स्काउट व गाइड चिंतन दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

राज्य पुरस्कार समारोह के दौरान मंचासीन राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे, राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य एवं विधायक करौली श्री दर्शन सिंह गुर्जर के सामने सामुहिक कौशल की प्रस्तुति देते हुए स्काउट गाइड एवं अतिथियों का स्वागत नृत्य द्वारा अभिनन्दन करती हुई गाइड्स

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन - प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835
प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन : 0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com

Follow us on : facebook.com/scoutguidejyoti https://rajscoutguide.org/